सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 256 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 29 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

हार की कांग्रेस खुद जिम्मेदार!

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार की समीक्षा के लिए गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक में वही कारण सामने आए हैं, जो 'श्रीकंचनपथ' ने पहले ही बता दिए थे। शुक्रवार को राजधानी में हुई पहली बैठक में ही हार की प्रमुख वजह के रूप में कार्यकर्ताओं में हताशा, आयातीत प्रत्याशियों पर दाँव लगाना, आपसी सामंजस्य का अभाव और खासतौर पर गुटबाजी जैसे मसले उठाए गए। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के कामकाज पर भी उंगलियां उठी। आरोप लगे कि कांग्रेस की सरकार में कार्यकर्ताओं के न कोई काम हुए, न उन्हें उचित सम्मान ही मिल पाया। संसाधनों का अभाव, भाजपा की महतारी वंदन योजना और राम मंदिर जैसे मुद्दों को भी हार की वजह बताया गया। आज फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बिलासपुर में बैठक है। इस बैठक में भी प्रत्याशी चयन से लेकर बड़े नेताओं के व्यवहार तक कई कारण सामने आने की संभावना है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली की अगुवाई में एआईसीसी ने दो सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी को लोकसभा चुनाव में मिली हार के कारण तलाशने हैं। इसी के तहत 4 दिवसीय प्रवास पर मोइली छत्तीसगढ़ आए हैं। शुक्रवार को उन्होने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रत्याशियों और पार्टी के सीनियर नेताओं की बैठक ली। इस अहम् बैठक में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज समेत तमाम आला नेता शामिल हुए। प्रत्याशियों की राय जानने की शुरूआत भले ही राजनांदगांव से चुनाव लड़ने वाले भूपेश बघेल से की गई, लेकिन सर्वाधिक मुखर बस्तर के प्रत्याशी कवासी लखमा रहे। तमाम आला नेताओं के सामने लखमा गुटबाजी को लेकर फट पड़े। उन्होंने बस्तर की हार के लिए पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी को जिम्मेदार ठहराया। उनके अलावा कई अन्य नेताओं ने भी प्रदेश संगठन के कामकाज पर सवाल उठाए। कुल मिलाकर पीसीसी चीफ दीपक बैज को बलि का बकरा बनाने की कोशिश की गई।

गौरतलब है कि इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बड़ी जीत की उम्मीद कर रही थी। पार्टी के नेता जीत को लेकर बड़े-बड़े दावे-प्रतिदावे भी करते रहे। हालांकि चुनाव के नतीजे पूरी तरह से कांग्रेस के विपरीत आए। कई क्षेत्रों में जातीय व सामाजिक समीकरणों के मद्देनजर दीगर क्षेत्रों से लाकर प्रत्याशी उतारे गए। वहीं बड़े चेहरों को मौका देने की पार्टी की रणनीति भी पूरी तरह से नाकाम साबित हुई। 'श्रीकंचनपथ' ने अपने 22 व 27 जून के अंकों में कांग्रेस की पराजय को लेकर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की थी। 22 जून के अंक में ''सामने आ पाएगा हार का कड़वा सच'' शीर्षक से प्रकाशित खबर में पार्टी के नेताओं में आपसी समन्वय का अभाव, टिकट वितरण को लेकर असंतोष और पूर्ववर्ती सरकार के कामकाज से नाराजगी को प्रमुख कारण के रूप में बताया गया था। वहीं 27 जून के अंक में ''परेशान कर सकते हैं हार के कारण'' शीर्षक से खबर प्रकाशित हुई थी। इसमें 5 साल सत्ता में रहने के बाद भी महज 36 सीटों पर सिमटने, प्रत्याशियों के न चाहते हुए भी उन्हें दीगर क्षेत्रों से चुनाव लड़वाने, संगठन में तालमेल की कमी, दुखी कार्यकर्ताओं का पूरे मन से काम नहीं करना समेत कई अन्य मसलों को उठाया गया था।

आयातीत प्रत्याशियों को कार्यकर्ताओं ने ही नकारा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पार्टी ने राजनांदगांव क्षेत्र से टिकट दी थी। चुनाव के दौरान उनकी मौजूदगी में पार्टी के एक कार्यकर्ता सुरेन्द्र दाऊ ने भरे मंच से बघेल की खिलाफत की थी। इन्हीं सुरेन्द्र दाऊ ने कल प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात की। इस मुलाकात की काफी चर्चा रही। राजनांदगांव में भूपेश बघेल को पिछड़ा वर्ग वोटर्स को ध्यान में रखते हुए उतारा गया था। हालांकि पार्टी के कार्यकर्ता ही उन्हें स्वीकार नहीं कर पाए। बघेल के अलावा पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद, डॉ. शिवकुमार डहरिया को जांजगीर चाम्पा और भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव को बिलासपुर से उतारा गया था। सभी को पराजय का सामना करना पड़ा। ताम्रध्वज साहू को साहू समाज के बड़े वोटबैंक के हिसाब से तो देवेन्द्र यादव को यादव वोटर्स को देखते हुए टिकट दी गई। पार्टी के सभी आयातीत प्रत्याशियों को मतदाताओं से पहले स्थानीय कार्यकर्ताओं ने ही नकार दिया था। पार्टी का जातीय व सामाजिक फैक्टर बुरी तरह धराशायी हुआ। कल की बैठक में भी बाहरी प्रत्याशियों का मुद्दा प्रमुखता से उठा और कार्यकर्ताओं ने इस पर अपनी आपत्ति जाहिर की।

लखमा बोलने लगे तो देखते रह गए सभी

वीरप्पा मोइली समेत वरिष्ठ नेताओं के सामने ही कवासी लखमा पार्टी में चल रही गुटबाजी को लेकर फट पड़े। उन्होंने बस्तर सीट पर हार के लिए पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी को ही जिम्मेदार ठहराया। जब लखमा ने बोलना शुरू किया तो सभी नेता देखते ही रह गए। उनके अलावा कई नेताओं ने प्रदेश संगठन के कामकाज पर भी सवाल उठाए। मोइली समेत वरिष्ठ नेताओं के सामने रायपुर के नेताओं को कम प्रतिनिधित्व मिलने का मुद्दा भी उठाया गया। बैठक में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने दो टूक संदेश देते हुए कहा कि, कांग्रेस के नेता आपस में न लड़ें, भाजपा से लड़ें। सभी नेताओं को एकजुटता से आगे बढ़ने का भी उन्होंने संदेश दिया। वहीं अधिकतर नेताओं ने अपनों से ही विश्वासघात का आरोप लगाया। नेताओं के आरोपों के बाद प्रदेश प्रभारी और मोइली ने पार्टीजनों को संदेश दिया। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक के बाद सचिन पायलट ने कहा कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव का परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा, इसीलिए संगठन को मजबूत करने के लिए कमेटी की बैठक हुई है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पक्ष में वोट प्रतिशत में कमी नहीं आई है। जल्द रिपोर्ट तैयार कर एआईसीसी को सौंपी जाएगी।

कांग्रेस सरकार में नहीं मिला सम्मान

फैक्ट फाइडिंग कमेटी के समक्ष कांग्रेस की हार के कई कारण सामने आए, लेकिन अधिकांश कार्यकर्ताओं ने एक कारण गिनाया। यह था कांग्रेस की सरकार के दौरान सम्मान नहीं मिलना। कार्यकर्ताओं का कहना था कि पार्टी की सत्ता होने के बावजूद उनके कोई काम नहीं हुए। विधानसभा चुनाव में इसी वजह से कार्यकर्ताओं ने पूरे मन से काम नहीं किया। टिकट वितरण में भी कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई और प्रत्यशी थोपे गए, जिसके चलते कार्यकर्ताओं ने मजबूती से काम नहीं किया। बैठक में यह बात भी उठी कि आम जनता महालक्ष्मी न्याय योजना पर विश्वास नहीं कर सकी। इसमें एक लाख रुपए सालाना देने की बात थीं। कांग्रेस ने भाजपा सरकार महतारी वंदन योजना को काफी हल्के में लिया। इसका नुकसान भी कांग्रेस को उठाना पड़ा। हालांकि बैठक शुरू होने से पहले कमेटी के चेयरमेन वीरप्पा मोइली ने नेताओं व कार्यकर्ताओं से नेगेटिव बातें नहीं करने की नसीहत दी थी। बावजूद इसके कार्यकर्ताओं की नाराजगी फूटी। संगठन से लेकर वरिष्ठ नेताओं तक को निशाने पर लिया गया। बस्तर के प्रत्याशी कवासी लखमा ने भले ही खुलकर अपनी हार की वजह गुटबाजी को बताया, लेकिन बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी को नकार दिया।

लद्दाख में नदी पार करने का अभ्यास कर रहे टैंक सवार जवान बहे, जेसीओ सहित पांच ने गंवाई जान

लद्दाख (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में टैंक से नदी पार करने के अभ्यास के दौरान बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में जेसीओ सहित पांच जवान की जान चली गई। यह दुर्घटना रात एक बजे के करीब चुशूल से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुई। नदी में अचानक आई बाढ़ के चलते यह हादसा हुआ। रक्षा प्रवक्ता पीएस सिंधु अनुसार तथ्यों की जांच चल रही है।

अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सेना के जवान टी-72 टैंक में सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से बाढ़ आ गई। देखते ही देखते नदी के बढ़ते जलस्तर ने आसपास की जगह को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। टैंक भी तेजी के साथ तेज बहाव की चपेट में आने लगा।

सेना के जवानों की कड़ी कोशिश के बाद भी टैंक से नियंत्रण कम होता गया। ऐसे में तेज बहाव का पानी सेना के पांच जवानों और टैंक को बहा कर ले गया। हादसे की जानकारी मिलते ही तुरंत सेना की अन्य टीमें मौके पर पहुंची।

राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। बाढ़ के पानी के बीच बचाव कार्य चलाना चुनौतियों से भरा था। लेकिन फिर भी जवान अपने साथियो को बचाने के लिए प्रयास करते रहे, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। शनिवार दोपहर अधिकारियों ने जानकारी दी कि टैंक में सवार जेसीओ सहित पांच बहादुर जवानों ने इस हादसे में अपनी जान गंवा दी है। सभी शवों को बरामद कर लिया गया है।

शवों को अस्पताल ले जाया गया है। यहां से आगे की प्रक्रिया शुरू की गई है। देश की रक्षा के लिए तैनात पांच जवानों ने अपना बलिदान दे दिया है। इस दुख की घड़ी में जम्मू कश्मीर, लद्दाख सहित देशभर के लोग सेना के उन पांच वीर जवानों के परिवार के साथ खड़े हैं।

ये जवान हुए बलिदान

हादसे का शिकार हुए जवानों के नाम आरआईएस एमआर के रेड्डी, डीएफआर भूपेंद्र नेगी, एलडी अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान (6255 एफडी वर्कशॉप), सीएफएन नागराज पी (एलआरडब्ल्यू) हैं।

सेना प्रमुख ने बहादुर सैनिकों के बलिदान पर शोक किया प्रकट

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे व सभी रैंकों के अधिकारियों ने लद्दाख हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि एक प्रशिक्षण गतिविधि के दौरान अपनी जान गंवाने वाले पांच बहादुर सैनिकों की मृत्यु पर वे हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। भारतीय सेना इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है।

रक्षा मंत्री ने हादसे पर जताय दुख, बोले- दुख इस घड़ी में देश शोक संतप्त परिवारों के साथ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लद्दाख हादसे पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि दुख के इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ पूरा देश खड़ा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, 'लद्दाख में नदी पार कराते समय हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में हमारे पांच बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है...शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। दुख की इस घड़ी में राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हादसे पर जताया दुख

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ' लद्दाख में एक नदी पार करते समय एक जेसीओ सहित 5 भारतीय सेना के बहादुरों की जान जाने से हम बहुत दुखी हैं। इस दर्दनाक त्रासदी के शिकार हुए सैन्य कर्मियों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं हैं। हम वीर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा के लिए उन्हें सलाम करते हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ है।'

छत्तीसगढ़ में सुबह से हो रही बूंदाबांदी, आज से उत्तरी भागों के जिलों में भारी बारिश के आसार

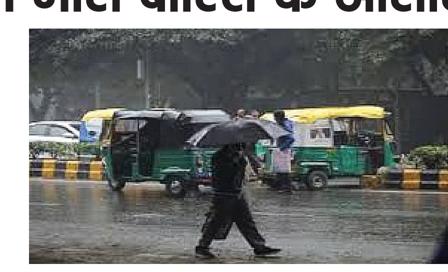

रायपुर (एसकेपी)। छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में आज शनिवार को सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। कई इलाकों में बारिश भी हो रही है। वहीं एक दो जगहों पर तेज हवाएं भी चल रही है। राजधानी रायपुर में सुबह से बूंदाबांदी हो रही है। आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेगी। इससे प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बलरामपुर में दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ के उत्तर भागों में 30 जून तक मध्यम से भारी बारिश की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। उत्तर भागों के कई जिलों में गरज चमक के साथ तेज हवाएं और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं प्रदेश के कुछ इलाकों में 29 जून से बारिश की गतिविधि में थोड़ी कमी आने की संभावना है। हालांकि प्रदेशभर में हल्की बारिश होते रहेगी।

मौसम एक्सपर्ट के अनुसार, एक द्रोणिका उत्तर-पूर्व राजस्थान के ऊपर चक्रवती परिसंचरण से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा होते हुए उत्तरी ओडिशा तट के उत्तरी-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के निम्न दबाव क्षेत्र तक औसत समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से आज शनिवार को प्रदेश में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। साथ ही प्रदेश के कई इलाकों में बारिश भी हो रही है।

एनआईए की टीम पहुंची छत्तीसगढ़, कांकेर में चलाया जांच अभियान, कैश सहित कई सामान मिले

नईदिल्ली/भिलाई। छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल क्षेत्रों में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने तलाशी अभियान चलाया। एक नक्सली की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी के बाद मामले में शुक्रवार को एनआईए की टीम पहुंची। जांच के दौरान एनआईए को कई मोबाइल फोन, प्रिंटर और लगभग 40 हजार रुपए कैश व आपत्तिजनक सामान मिला। जांच के बाद एनआईए ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने द्वारा जारी बयान में बताया गया कि आधा दर्जन स्थानों पर गहन तलाशी ली गई और कई मोबाइल फोन, एक प्रिंटर और 39,100 रुपये की नकदी के साथ-साथ आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। आज जिन छह परिसरों में तलाशी ली गई, वे कांकेर जिले के मुजालगोंडी, कलमुच्चे, आमाबेड़ा

और जिवालामारी के सुदूर गांवों में स्थित हैं। एनआईए मामले की जांच जारी रखे हुए है। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने 5 फरवरी 2024 को मामला दर्ज किया था और 22 फरवरी को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था। प्रारंभिक जांच में मामले में दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई।

जब पति से पहले 'महाराज' लगते थे भोग

श्रीकंचनपथ

नेटफिलक्स पर एक मूवी रिलीज हुई है 'महाराज'। यह फिल्म ब्रिटिश भारत के एक गुजराती पत्रकार के संघर्ष और तत्कालीन बम्बई सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को दर्शाती है। फिल्म में एक धर्मगुरू की सत्ता को एक पत्रकार करसनदास मूलजी चुनौती देते हुए दिखाई देते हैं। धर्मगुरू को उनके अनुयायी ईश्वर मानते थे। धर्मगुरू पादसेवा के नाम पर किसी भी किशोरी या युवती को अपने शयनकक्ष में बुला सकता था। धर्म के नाम पर किशोरियों के धर्षण के इस दृश्य को लोग पैसे देकर झरोखे से देख सकते थे। ईश्वर की इस लीला को देखना पुण्य माना जाता था। करसनदास की मंगेतर भी इस धर्मगुरू की काम-वासना का शिकार हो जाती है। पीड़ादायक यह है कि ऐसा करते समय उसकी मंगेतर के मन में कोई पाप बोध नहीं था। उसे लगता है कि वह श्रेष्ठ परम्पराओं का पालन कर रही है और यही धर्म है। पर बाद में उसे अपनी भूल का अहसास होता है। फिर करसन के नाम एक पत्र लिखकर वह आत्महत्या कर लेती है। धर्म के नाम पर ऐसा पाखंड आज भी होता है। लोग धर्मगुरू के निर्देश को ईश्वर का आदेश मानते हैं। उन्हें लगता है कि धर्मगुरू को खुश कर वे मोक्ष प्राप्त करने वाले हैं। 'महाराज' की कहानी 1860 के दशक की है पर आज 2024 में भी उतनी ही प्रासंगिक है। लोग धर्म की कहानी सुनते-सुनते एक ऐसे अंधे मोड़ पर पहुंच चुके हैं जहां उनकी शिक्षा दीक्षा सबकुछ बेमानी हो जाती है। तर्कशक्ति को लकवा मार जाता है और वो ढिठाई की हदें पार करने लगते हैं। पिछले दो दशकों में ऐसे कई किस्से सामने आ चुके हैं जिसमें आस्था के नाम पर हो रहे ऐसे अपराधों का भांडा फूटा है। पर इससे उनके अनुयायियों की संख्या कम होने की बजाय बढ़ी ही है। ऐसे धर्म गुरूओं के अनुयायियों की संख्या करोड़ों में होती है। धर्मगुरू पर जरा सी आंच आई नहीं कि ये सड़कों पर निकल आते हैं। ऐसे धर्म गुरुओं के आश्रम किसी किले की तरह होते हैं जिसके अंदर उनका अपना कानून चलता है। दरअसल, आधुनिक भारत का इंसान भीतर से खोखला है। वह अपने माता-पिता या बाप-दादा पर विश्वास नहीं करता। उनसे कुछ नहीं सीखता। आचरण सीखने के लिए वह बाबाओं की कोचिंग क्लास में जाता है। लाखों की संख्या में लोग अपना काम-धाम छोड़कर बाबा के पंडाल में पहुंचते हैं। वहां से एक्स्ट्रा ज्ञान प्राप्त कर खुद को श्रेष्ठ समझने लगते हैं। वैसे भी बाबा खुद भीतर से खाली होता है। वह केवल एक कुशल वक्ता होता है। उसे पता है कि उसके ज्ञान पर कोई उंगली नहीं उठाएगा। इसलिए वह कुछ भी बोलता है। यही बोल कभी-कभी उसका काल बन जाता है। नया बवाल राधारानी को लेकर है। एक मशहूर कथावाचक के लिए ब्रजभूमि के मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिये गये हैं। दरवाजे तभी खुलेंगे जब वे सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

संपादकीय

बारिश का एक दुख

पहली बारिश में ही दिल्ली का जो हाल हुआ है, वह न केवल चिंताजनक, बल्कि दुखद भी है। जगह-जगह जाम, जल भराव, पेड़ों का गिरना अपनी जगह बहुत गंभीर है, पर सबसे सनसनीखेज घटना नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर घटी है। शुक्रवार को भारी बारिश के बीच छत का एक हिस्सा वाहनों पर आ गिरा, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। जब हादसा हुआ, तब बारिश हो रही थी, सुबह करीब 5.30 का समय था, हादसा अकल्पनीय था। बीते मार्च में ही नई दिल्ली के सबसे बड़े हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 का विस्तार किया गया है। इसका विस्तार करने-कराने वालों ने सुंदरता का तो ध्यान रखा, मगर मजबूती सुनिश्चित करना शायद वे भूल गए। इस टर्मिनल से लाखों लोग यात्रा करते हैं, पर रखरखाव में ऐसी लापरवाही अक्षम्य मानी जाए, तो ही न्याय है। एक बार सोचकर जरूर देखना चाहिए कि दुनिया में क्या संदेश गया है? क्या भारत अपने एक सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डे को भी ढंग से नहीं रख पा रहा है?

> देश की अर्थव्यवस्था गतिवान है, वस्तुओं और सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, पर अगर हम अपने नागरिकों की कद्र नहीं बढ़ाएंगे, तो वास्तव में विकास को ही अंगूठा दिखाएंगे। दुनिया के अच्छे देशों से सीखते हुए सुधार की जरूरत है, ताकि हमारा बेहद चमकदार होता बुनियादी ढांचा हमारे माथे पर ही न गिरने लगे और हम आश्वस्त होकर सिर उठाए चल सकें।

राजधानी दिल्ली में एयरपोर्ट पर जब यह हाल है, तो बाकी जगहों पर आम लोगों की सुरक्षा को लेकर न जाने कितने सवाल खड़े किए जा सकते हैं? न जाने कितने ऐसे रेलवे स्टेशन, बस अड्डे देश में होंगे, जिन्हें सिर्फ रंग-रोगन करके चमकाया गया होगा? जिम्मेदार अधिकारियों को शर्म आनी चाहिए, उनकी लापरवाही के चलते भ्रष्टाचार का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है? कहीं भवन ढह रहे हैं, तो कहीं पुल गिर रहे हैं, तो कहीं सड़कों पर दरारें पड़ रही हैं? खूब लंबे-चौड़े राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना जरूरी है, पर शहरों के अंदर की सड़कों का रखरखाव कौन करेगा? दिल्ली में केवल दो घंटे की बारिश के बाद अंडरपास और अंडर ब्रिज में पानी भर जाना क्या हमारी अक्षम नौकरशाही की ओर इशारा नहीं है? नौकरशाहों को भला कैसे निर्दोष मान लिया जाए और अगर उन्हें निर्दोष मान लिया जाए, तो फिर दोषी कौन है? यह शर्मनाक बात है कि राष्ट्रीय राजधानी में स्थित मिंटो ब्रिज दशकों से लोगों को रुलाता आ रहा है, वहां से तमाम नेताओं, अफसरों, रसूखदारों की गाड़ियां गुजरती हैं, पर क्या मजाल कि मिंटो ब्रिज इलाके में पानी न भरे? देश में ऐसे न जाने कितने स्थान हैं, जिनके बारे में यह मान लिया गया है कि यहां तो जल भराव एक सालाना आयोजन है। साल में दस-पंद्रह दिन जल भराव होगा, तो इस समस्या के समाधान के लिए क्या जहमत उठाएं?

क्या हम अपने देश में नागरिक सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं? क्या अपने देश में लोगों की जिंदगी को बहुमूल्य माना जाता है? इस बार भी उदारता से मुआवजा दे दिया जाएगा, पर पुख्ता समाधान व सुरक्षा के इंतजाम के प्रति लापरवाही बरती जाएगी? यह दोषारोपण करने या आंखें चुराने का नहीं, बल्कि कमियों से दो-दो हाथ करने का वक्त है। सुविधाओं का विस्तार जरूरी है, लेकिन उनकी गुणवत्ता भी काबिले-गौर होनी चाहिए। गुणवत्ता या कानून से समझौता करने की इजाजत किसी को भी नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था गतिवान है, वस्तुओं और सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, पर अगर हम अपने नागरिकों की कद्र नहीं बढ़ाएंगे, तो वास्तव में विकास को ही अंगूठा दिखाएंगे। दुनिया के अच्छे देशों से सीखते हुए सुधार की जरूरत है, ताकि हमारा बेहद चमकदार होता बुनियादी ढांचा हमारे माथे पर ही न गिरने लगे और हम आश्वस्त होकर सिर उठाए चल सकें।

विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में होगी महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

महिला सशक्तिकरण से महिलाओं में उस शक्ति का प्रवाह होता है, जिससे वो स्वयं को सकारात्मक भूमिका देने में अहम योगदान कर सकती है। जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती हैं। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तिकरण है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से आज भारत देश विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में है। विकसित भारत बनाने के साथ विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए यहां की माताओं और बहनों का बड़ा योगदान रहने वाला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए राज्य में महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ में तीज-त्यौहारों और खुशी में महिलाओं को तोहफे, पैसे और नेग देने का रिवाज है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से उसी परंपरा को छत्तीसगढ़ शासन निभा रहा है।

उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य में विवाहित महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह (कुल 12,000 रुपए सालाना) वित्तीय सहायता दी जा रही है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है। महिलाएं खुश है कि वो महतारी वंदन योजना से मिली राशि से अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर पा रहीं हैं साथ ही कई महिलाएँ भविष्य के लिए निवेश भी कर रहीं हैं।

महिलाएं विशेषकर विवाहित महिलाएं घर-परिवार की देखभाल, प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी छोटी-मोटी बचत का उपयोग ज्यादातर परिवार और बच्चों के पोषण में खर्च करती हैं। लेकिन आर्थिक मामलों में उनकी सहभागिता अभी भी बहुत कम है। इसे देखते हुए राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक सहभागिता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। महिलाओं के स्वास्थ्य की बात की जाए तो 2020-21 में हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के अनुसार 23.1 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इंडेक्स से कम स्तर पर हैं। 15 से 49 वर्ष के आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 60.8 प्रतिशत और गर्भवती महिलाओं में यह 51.8 प्रतिशत है। ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए बड़ी राहत बनकर आई हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि उनका प्रयास आने वाले पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को दोगुना करने का होगा। इसी लिए राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में महतारी वंदन योजना के लिए 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 10 मार्च से प्रथम किश्त महिलाओं के बैंक खाते में भेजने से प्रारंभ हुई महतारी वंदन योजना में प्रदेश के कुल 70 लाख 12 हजार 417 हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है, जून माह में चतुर्थ क़िस्त की राशि महिलाओं के बैंक खाते में ज़ारी की जा चुकी है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने तीर

नीरजा चौधरी, वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक

सत्तारूढ़ राजग गठबंधन के संख्या-बल को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष का पद ओम बिरला को मिलना प्रत्याशित था, मगर स्वस्थ संसदीय परंपरा के मुताबिक उनका इस पद पर सर्वसम्मति से न चुना जाना अप्रत्याशित माना जाएगा। पिछले पांच दशकों में यह पहला मौका था, जब लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने थे। देश के संसदीय इतिहास में अब से पहले तीन बार ही ऐसा मौका आया था। हालांकि, इस बार भी सरकार की ओर से सर्वानुमति बनाने की लगातार कोशिशें होती रहीं, लेकिन बात नहीं बन सकी और अंततः ध्वनिमत से ओम बिरला व विपक्ष के उम्मीदवार के सुरेश के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद का फैसला किया गया।

अध्यक्ष पद पर इस तनातनी के सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए अलग-अलग संकेत हैं। सत्ता पक्ष, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह संकेत देना चाहते थे कि बेशक इस बार उनकी सरकार सहयोगी दलों पर निर्भर है, लेकिन नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता कायम है। फिर चाहे मंत्रिमंडल का गठन हो या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का चयन या फिर प्रधान सचिव की नियुक्ति, सभी पदों पर कमोबेश पुराने चेहरों के ऊपर ही भरोसा किया गया है। ऐसे में, लोकसभा अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद भला कैसे छोड़ा जा सकता था? प्रधानमंत्री अपनी इस निरंतरता को राजनीतिक स्थिरता के रूप में पेश करना चाहते हैं। वह बताना चाहते हैं कि भाजपा के अल्पमत में होने के बावजूद यह एक मजबूत सरकार है, जिस पर उनका पूरा नियंत्रण है। वह कमजोरी का कोई संकेत नहीं देना चाहते, जो आमतौर पर गठबंधन की सरकार में देखी जाती है।

रही बात विपक्ष की, तो इस आम चुनाव में वह काफी मजबूती से उभरा है। वह सत्ता पक्ष के हरेक वार पर पलटवार करना चाहेगा। के सुरेश का नाम आगे करने के पीछे भी यही राजनीति थी। चूंकि सुरेश केरल से आठ बार सांसद रहे हैं और मौजूदा सदन के सबसे वरिष्ठ सांसद भी हैं, इसलिए विपक्ष उनको अस्थायी लोकसभा अध्यक्ष, यानी प्रोटेम स्पीकर बनाने की मांग कर रहा था, जिसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि दो आम चुनावों में वह सदन का हिस्सा नहीं बन सके थे। इसीलिए, भतृहरि महताब को यह दायित्व सौंपा गया, क्योंकि वह सात बार सांसद रह चुके हैं। सत्ता पक्ष के सुरेश के नाम पर सहमत होकर सौहार्दता का परिचय दे सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, नतीजतन, विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के सुरेश का नाम आगे कर दिया।

हालांकि, मामला सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं था। के सुरेश दलित हैं। उनके नाम पर दांव खेलकर विपक्ष ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि वह दलितों का हिमायती है और सत्ता पक्ष ऐसा नहीं चाहता। 2024 के चुनाव में दलित-कार्ड काफी अहम साबित हुआ है। आंकड़ों की मानें, तो दलितों का वोट भाजपा से छिटका है। चूंकि मुस्लिम भाजपा के वोटर नहीं माने जाते, इसलिए आकलन है कि दलित-मुसलमान का जातिगत समीकरण सत्तारूढ़ दल पर आगे भारी पड़ सकता है, क्योंकि इन दोनों की आबादी मिलकर करीब 32-33 प्रतिशत हो जाती है। चुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक को पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओबीसी का भी साथ मिला है और ब्राह्मण व राजपूत भी भाजपा से कुछ हद तक नाराज हैं। ऐसे में, विपक्ष की मंशा आने वाले विधानसभा चुनावों में इस जातिगत समीकरण का लाभ उठाने की हो सकती है। फिर, के सुरेश दक्षिण के नेता भी है, जहां से कांग्रेस को मुश्किल दिनों में संजीवनी मिलती रही है।

जाहिर है, सत्ता पक्ष प्रधानमंत्री मोदी के उस कथन को लोकसभा में साकार करने से चूक गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन देश सहमति से चलता है। उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देकर अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति बनाई जा सकती है, लेकिन लगता यही है कि बतौर सहयोगी चंद्रबाबू नायडू ने इस पद पर अपना दावा जता दिया है। मुमकिन है, मोल-भाव में माहिर चंद्रबाबू नायडू ने अध्यक्ष पद छोड़ने के एवज में उपाध्यक्ष पद के साथ-साथ अमरावती को अपने सपनों की राजधानी बनाने के लिए केंद्र से आर्थिक मदद मिलने का वादा हासिल किया हो। हालांकि, इसकी सच्चाई कुछ दिनों के बाद ही सामने आएगी।

बहरहाल, संसद में विपक्ष की आक्रामकता आगे भी कायम रह सकती है। बुधवार को ही आपातकाल की निंदा करने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया गया, जो संकेत है कि अगले पांच साल सरकार के लिए आसान नहीं रहने वाले। लिहाजा, संसदीय कार्य मंत्री को काफी मेहनत करनी पड़ सकती है। उनकी मुश्किल इसलिए भी बढ़ सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं से उनके रिश्ते अब भी उतने मधुर नहीं बन सके हैं, जबकि एक अच्छे संसदीय कार्य मंत्री के लिए विपक्षी नेताओं से अच्छा रिश्ता काफी अहमियत रखता है। मुझे आज भी याद है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और प्रमोद महाजन संसदीय कार्य मंत्री। एक बार जब पूरा सत्र शोर-शराबे में खत्म होने वाला था, तब सेंट्रल हॉल में प्रमोद महाजन ने न सिर्फ विपक्ष के तमाम नेताओं से बात की, बल्कि उनको सदन चलाने के लिए राजी भी कर लिया। ऐसी अपेक्षा अब किरेन रिजिजू से भी होगी।

दरअसल, एक सोच यह है कि नरमी दिखाने से सरकार को कमजोर मान लिया जाएगा, जबकि गठबंधन की सरकारों में नरमी और लचीलापन मजबूती व स्थिरता का हिस्सा माने जाते हैं। दिक्कत यह भी है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष में विश्वास की भारी कमी है, जो कदम-कदम पर दिख रहा है। ऐसे में, जरूरी है कि आपसी विश्वास को मजबूत किया जाए। यदि नीट-नेट परीक्षा, अग्निवीर योजना, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर सदन में बहस होती है, तो मुमकिन है कि विपक्ष अपनी सार्थक भागीदारी निभा सके। मगर यदि सत्र हंगामे की भेंट चढ़ते गए, तो देश के साथ-साथ लोकतंत्र को भी काफी नुकसान हो सकता है। उम्मीद है, ओम बिरला अपने इस महती दायित्व को समझ रहे होंगे। उनके सामने सोमनाथ चटर्जी जैसे उदाहरण हैं, जिन्होंने अपनी पार्टी के विचार को अध्यक्ष पद का दायित्व संभालने के दौरान खुद पर हावी नहीं होने दिया। वैसे, राजनेताओं की आपसी कटुता भी सदन पर भारी पड़ती रहती है, जिसकी तरफ संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने हालिया बयान में इशारा किया है। हमारे राजनेताओं को इनसे बचकर संसदीय जिम्मेदारियों का निबाह करना होगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

(सांख्यिकी दिवस) निर्णय लेने के लिए डेटा के उपयोग का महत्व

अल्ताफ हुसैन हाजी (आईएसएस)

जैसा कि हम जानते हैं कि सांख्यिकी दिवस 2007 से हर साल 29 जून को मनाया जाता है। यह दिन दिवंगत प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के अवसर पर, आर्थिक, नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के सम्मान में मनाया जाता है। सांख्यिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य देश के विकास के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका और महत्व के बारे में लोगों के बीच जन जागरूकता पैदा करना है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच।

हर साल सांख्यिकी दिवस पर, गहन और केंद्रित ध्यान के लिए वर्तमान राष्ट्रीय महत्व का एक विशेष विषय चुना जाता है । इस वर्ष सांख्यिकी दिवस, 2024 का विषय है निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग। जैसा कि हम जानते हैं कि आधिकारिक सांख्यिकी से प्राप्त सांख्यिकीय जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और साक्ष्य आधारित निर्णय लेने के लिए डेटा आधारित निर्णय लेना महत्वपूर्ण और सबसे आवश्यक कौशल है। पिछले कुछ दशकों में निर्णय लेने में आधिकारिक सांख्यिकी का एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। सूचना के इस युग में, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों (एनएसओ) और आधिकारिक डेटा के अन्य स्रोतों द्वारा प्रदान किए जाने वाले विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा और सूचना का प्रावधान विशिष्ट महत्वपूर्ण है और अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के लिए इसकी आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

पिछले 50 वर्षों में, विभिन्न देशों के डेटा उत्पादकों ने विभिन्न निर्णय लेने के लिए डेटा पर बहुत अधिक भरोसा किया है । बिना किसी डेटा या सांख्यिकी के नियोजन और नीति निर्माण के अगले चरण को आगे बढ़ाना असंभव है। पहले आधिकारिक सांख्यिकी तैयार करने के लिए डेटा मुख्य रूप से सर्वेक्षण, जनगणना और प्रशासनिक रजिस्टरों पर निर्भर करता था, लेकिन आजकल सांख्यिकीय साक्षरता पर आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उपयोगी डेटा स्रोत निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रव्यापी जनगणना और सर्वेक्षणों के माध्यम से डेटा एकत्र करने के लिए नीति नियोजन और निर्णय लेने हेतु सांख्यिकीय गतिविधियों को निष्पादित करने और तैयार करने की संस्थागत आवश्यकता निरंतर प्रक्रिया है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) डेटा संग्रह करने वाला एक जिम्मेदार सरकारी संगठन है और निर्धारित पद्धतियों और प्रक्रियाओं में राष्ट्रीय स्तर पर सांख्यिकी तैयार करने में सक्षम है। हमारे देश में, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) एक नोडल कार्यालय है जिसे राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के रूप में भी जाना जाता है। यह भारत सरकार से संबंधित प्रामाणिक संगठनों में से एक है, लेकिन आधिकारिक सांख्यिकी तैयार करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठनों के बीच इसका नाम और प्रसिद्धि भी है। जैसे जैसे प्रशासनिक डेटा के एकीकरण ने यह सुनिश्चित करने के लिए लोकप्रियता हासिल की है कि डेटा उपयोगकर्ता उच्च गुणवत्ता वाली सांख्यिकीय जानकारी का उपयोग कर रहे हैं, आधिकारिक सांख्यिकी के निर्माता विश्वसनीय डेटा की जानकारी के एकमात्र आपूर्तिकर्ता नहीं हैं। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि निर्णय लेने के समय हर जगह आधिकारिक सांख्यिकी और कम विश्वसनीय डेटा के बीच भ्रम बढ़ रहा है। यह डेटा या सांख्यिकी के बारे में राय और धारणाओं को अधिक महत्व दे सकता है । सांख्यिकी को सूचना के एक भरोसेमंद स्रोत के रूप में सामने आने की आवश्यकता है। सांख्यिकीय सर्वेक्षणों पर भरोसा करने का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है । यह डेटा खुले डेटा प्रदाताओं के माध्यम से संगठनों और यहां तक कि आम जनता के लिए भी आसानी से उपलब्ध नहीं है और यह जानकारी उन लागू कानूनों में निहित है जिनके तहत एनएसओ देश के भीतर काम करता है।

आधिकारिक सांख्यिकी उपयोगकर्ताओं की ज़रूरतें अधिक जटिल एवं व्यक्तिगत होती जा रही हैं, और गुणवत्तापूर्ण डेटा के साथ अधिक विस्तृत जानकारी की आवश्यकता है उदाहरण के लिए छोटे जनसंख्या समूहों और भौगोलिक इलाकों पर । सांख्यिकी की गुणवत्ता डेटा की प्रमुख विशेषताओं में से एक है जो उपयोगकर्ताओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले मूल्य को प्रभावित करती है। गुणवत्ता को उपयोग के लिए उपयुक्त के रूप में देखा जा सकता है जिसमें प्रासंगिकता, सटीकता, समयबद्धता, पहुंच, तुलनीयता और सुसंगतता जैसे कई आयाम शामिल हैं। गुणवत्ता किसी भी तरह से सरकारी आंकड़ों का एकाधिकार नहीं है।

ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर और मुफ़्त क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाओं की उपलब्धता के साथ डेटा की उपलब्धता का मतलब है कि रुचि रखने वाला हर व्यक्ति कुशलतापूर्वक विश्लेषण कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, एनएसओ के लिए डिजिटल डेटा साझा करना आसान हो गया है। डिजिटल प्रारूप में डेटा प्राप्त करने के लिए कागज के फॉर्म कैप्चर करने के दिन अब चले गए हैं जिन्हें संगठनों के बीच साझा किया जा सकता था। अधिकांश प्रशासनिक डेटा अब इलेक्ट्रॉनिक रूप से और सुरक्षित हस्तांतरण प्रोटोकॉल के साथ एकत्र किए के कारण एनएसओ और डेटा संरक्षकों के बीच डेटा साझा करना आसान होता जा रहा है। साथ ही, रिकॉर्ड लिंकेज विधियों में प्रगति के साथ, सांख्यिकीय प्रणाली में प्रशासनिक डेटा का अंतर्ग्रहण पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

वर्ष 2014 में, डेटा या आधिकारिक सांख्यिकी तैयार करने के लिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दस मौलिक सिद्धांतों को अपनाया जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक के उपयोग के इस युग में बेहतर डेटा प्राप्त करने और डेटा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। गुणवत्तापूर्ण सांख्यिकी और बेहतर तरीके से काम करने योग्य सांख्यिकी तैयार करने के लिए, आधिकारिक सांख्यिकी पर मौलिक सिद्धांत इस प्रकार हैं:- इस समय बेहतर डेटा प्राप्त करने और डेटा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

- प्रासंगिकता, निष्पक्षता और समान पहुँच: डेटा या आधिकारिक आँकड़े लोकतांत्रिक समाज की सूचना प्रणाली में एक अपरिहार्य तत्व प्रदान करते हैं, जो सरकार, अर्थव्यवस्था और जनता को आर्थिक, जनसांख्यिकीय, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिति के बारे में डेटा प्रदान करते हैं। इस उद्देश्य के लिए, व्यावहारिक उपयोगिता की कसौटी पर खरे उतरने वाले आधिकारिक आँकड़ों को संकलित किया जाना चाहिए और नागरिकों के सार्वजनिक सूचना के अधिकार का सम्मान करने के लिए आधिकारिक सांख्यिकीय एजेंसियों द्वारा निष्पक्ष आधार पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- व्यावसायिक मानक और नैतिकता: आधिकारिक आंकड़ों में विश्वास बनाए रखने के लिए, सांख्यिकीय एजेंसियों को सांख्यिकीय आंकड़ों के संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण और प्रस्तुति के तरीकों और प्रक्रियाओं पर वैज्ञानिक सिद्धांतों और पेशेवर नैतिकता सहित सख्त व्यावसायिक विचारों के अनुसार निर्णय लेने की आवश्यकता है।
- जवाबदेही और पारदर्शिता: आंकड़ों की सही व्याख्या की सुविधा के लिए, सांख्यिकीय एजेंसियों को सांख्यिकी के स्रोतों, विधियों और प्रक्रियाओं पर वैज्ञानिक मानकों के अनुसार जानकारी प्रस्तुत करनी होती है।
- दुरुपयोग की रोकथाम: सांख्यिकी एजेंसियों को सांख्यिकी की गलत व्याख्या और दुरुपयोग पर टिप्पणी करने का अधिकार है।
- आधिकारिक सांख्यिकी के स्रोत: सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए डेटा सभी प्रकार के स्रोतों से लिया जा सकता है, चाहे वे सांख्यिकीय सर्वेक्षण हों या प्रशासनिक रिकॉर्ड। सांख्यिकी एजेंसियों को गुणवत्ता, समयबद्धता, लागत और उत्तरदाताओं पर बोझ के दृष्टिगत स्रोत चुनना होता है।
- गोपनीयता: सांख्यिकीय संकलन के लिए सांख्यिकीय एजेंसियों द्वारा एकत्र किए गए व्यक्तिगत डेटा, चाहे वे प्राकृतिक या कानूनी व्यक्तियों के संदर्भ में हों, पूरी तरह से गोपनीय होने चाहिए और केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने चाहिए।
- कानून: वे कानून, विनियम और उपाय जिनके तहत सांख्यिकीय प्रणालियाँ संचालित होती हैं, उन्हें सार्वजनिक किया जाना है।
- राष्ट्रीय समन्वय: सांख्यिकीय प्रणाली में स्थिरता और दक्षता प्राप्त करने के लिए देशों के भीतर सांख्यिकीय एजेंसियों के बीच समन्वय आवश्यक है।
- अंतर्राष्ट्रीय मानकों का उपयोग: प्रत्येक देश में सांख्यिकीय एजेंसियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अवधारणाओं, वर्गीकरणों और विधियों का उपयोग सभी आधिकारिक स्तरों पर सांख्यिकीय प्रणालियों की स्थिरता और दक्षता को बढ़ावा देता है।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: सांख्यिकी में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग सभी देशों में आधिकारिक सांख्यिकी प्रणालियों के सुधार में योगदान देता है।

सही स्थिति जानने के लिए डेटा या आधिकारिक सांख्यिकी की मांग तेजी से बढ़ रही है और यह अर्थव्यवस्था संकेतक और राष्ट्रों के विकास के स्तर के लिए आवश्यकता है। एक तेजी से वैश्वीकृत और परस्पर जुड़ी दुनिया अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के बारे में सटीक और प्रामाणिक जानकारी के लिए नई ज़रूरतें पैदा करती है । सिर्फ़ एक उदाहरण के तौर पर, सतत विकास लक्ष्यों पर 2030 के एजेंडे की दिशा में प्रगति की रिपोर्टिंग कई नई साझेदारियों में तैयार किए जाने वाले सैकड़ों संकेतकों पर नज़र रखेगी । इन संकेतकों को आधिकारिक सांख्यिकी के मौलिक सिद्धांतों और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के मानवाधिकारों के उद्देश्य से उनकी भलाई और विकास के लिए पूरी तरह से सम्मान करते हुए मापा जाना चाहिए ।

यदि हम वास्तविक आंकड़ों या सांख्यिकी का उपयोग करना चाहते हैं, तो सांख्यिकी के सर्वश्रेष्ठ उत्पादकों, सांख्यिकी के संप्रेषकों और सांख्यिकीय उपयोगकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता है । सांख्यिकी के निर्माता सांख्यिकीविद्, वैज्ञानिक, संस्थागत और गैर-संस्थागत सर्वेक्षण संगठन, सर्वेक्षण उद्योग और कंपनियां आदि हैं, जो योजना बनाने और निर्णय लेने के लिए सांख्यिकी को बेहतर तरीके से कर सकते हैं । वैज्ञानिक पत्रिकाएँ, धर्मार्थ संस्थाएँ, सरकारी विभाग, प्रेस अधिकारी, पत्रकार और संपादक भी अन्य सभी की तुलना में सांख्यिकी को बेहतर तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं । इसके अलावा, नागरिक, नीति-निर्माता और पेशेवर लोग जैसे उपयोगकर्ता उपलब्ध सांख्यिकी की जाँच करके बेहतर कर सकते हैं । खराब सांख्यिकीय पद्धति की पहचान करना और उसे उजागर करने में मदद करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है । इस प्रकार, उत्पादकों और संप्रेषकों की खराब सांख्यिकीय पद्धति की पहचान करने में सांख्यिकीय साक्षरता के बारे में जागरूकता की आवश्यकता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । सूचना के इस युग में, जन स्तर पर सांख्यिकीय साक्षरता के बारे में जागरूकता, न केवल व्यक्तियों के समूह के लिए बल्कि देश की पूरी आबादी या जनता के लिए भी डेटा या सांख्यिकी के मूल्य और उपयोग को जानने के लिए आवश्यक है और फिर सांख्यिकीय साक्षरता के माध्यम से हम डेटा या आधिकारिक सांख्यिकी की आचार नीति विकसित कर सकते हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) गणना और सर्वेक्षणों के माध्यम से डेटा एकत्र करता है और आधिकारिक आंकड़ों के प्रामाणिक मूल्य के आधार पर निर्णय लेने के लिए इनका उपयोग किया जाता है । डेटा के आधार पर त्वरित निर्णय लेने के लिए आधिकारिक सांख्यिकी के महत्वपूर्ण उपयोगों में न्यूनतम वेतन की गणना, सरकारी कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता, ईंधन अधिभार, गरीबी और बेरोजगारी को कम करने की नीतियां और रणनीतियां, जनसंख्या और श्रम बल की भागीदारी, संपत्ति की कीमतें और किराया बाजार विश्लेषण, क्षेत्रीय विकास और शहर की योजना, ट्रेड यूनियन वार्ता, परिवहन बुनियादी ढांचा, शैक्षिक बुनियादी ढांचा, सब्सिडी, कोटा, सरकारी प्रतिनिधित्व और चुनावी सीमाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, आव्रजन, व्यापार, जीवन की गुणवत्ता की तुलना, ब्याज दरें, बजट और वित्त, स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक योजना और विकास, संकट प्रबंधन और निवेश आदि शामिल हैं । आधिकारिक सांख्यिकी पर विश्वास एवं आंकणों की उपयोगिता हेतु मीडिया संस्थानों से प्राप्त फीडबैक अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे।

(ये लेखिका के विचार हैं)

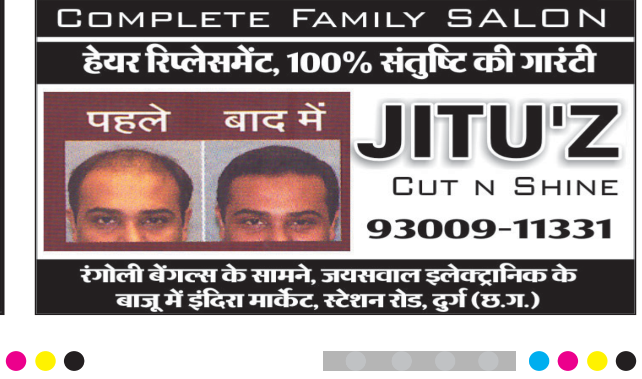

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

परीक्षा पूर्व ही अपने अपने परीक्षा केंद्र का करें निरीक्षण - कलेक्टर

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्री. बी. एड. एवं प्री. डी. एल. एड. परीक्षा दिनांक 30 जून 2024 को प्रथम पाली पूर्वाह 10 बजे से 12.15 बजे जिसमें परीक्षा केंद्रों की संख्या(58) है एवं द्वितीय पाली प्री. डी. एल. एड. अपराह्न 2 बजे से 4.15 बजे तक जिसमें परीक्षा केंद्रों की संख्या(51) है। उक्त परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन हेतु आज परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्षों का कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी केंद्राध्यक्ष परीक्षा पूर्व ही अपने-अपने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर लें जिससे केंद्र में उपलब्ध सभी सुविधायों एवं कमियों के बारे में जानकारी लेकर समय रहते व्यवस्थित किया जा सके। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित समस्त परीक्षाकेंद्र के केंद्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

सारंगढ़ में युवाओं को वायुसेना के अधिकारी देंगे कैरियर मार्गदर्शन

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश साहू के पहल पर भारतीय वायुसेना भर्ती कार्यालय भोपाल के द्वारा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के शैक्षिक संस्थानों में भारतीय वायुसेना भर्ती के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इस कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में इच्छुक युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए वायु सेवा ने अपील किया है जिससे युवा अपने कैरियर का लाभ उठा सकते हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 जुलाई 2024 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हरदी में सुबह 10 बजे से और दोपहर 1 बजे से शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार 2 जुलाई 2024 को सुबह 10 बजे से शासकीय आईटीआई चंदाई सारंगढ़ में और दोपहर 1 बजे से शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सारंगढ़ में कैरियर मार्गदर्शन किया जाना निश्चित है। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी रामजीत राम ने प्रदान की है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने ली बैठक, मातृ-मृत्यु के संबंध में हुई विस्तृत चर्चा

रायगढ़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.बी.के.चंद्रवंशी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मातृ-मृत्यु की समीक्षा की गई। जिसमें महिला बाल विकास के समस्त जिला नोडल अधिकारी डॉ. बी.पी.पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैंकरा, आरएमएनसीएचए सलाहकार डॉ.राजेश मिश्रा, विकासखंड के खंड चिकित्सा अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, एवं महिला एवं बाल विकास के सुपरवायजर, संबंधित क्षेत्र के आर.एचओ महिला/ पुरूष, उपस्थित रहें। बैठक में मृत गर्भवती महिलाओं की किन कारणों व किस कमी की वजह से इनकी मृत्यु हुई इनके बारे में गहनता से बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में गर्भवती महिलाओं का एनीमिक होना व एनीमिक पाये जाने पर उनका सही ढंग से फालोअप लेना जैसे-आयरन व कैल्शियम की दवा का फालोअप करना, सही ढ़ंग से प्रत्येक एएनसी जांच पर उनका हीमोग्लोबिन, बी.पी, यूरिन शूगर, यूरिन एल्बुमिन की जांच का सही रिपोर्टिंग करना, सही वजन लेना, जिस महिला का हाई रिस्क हो तो उनका समय समय पर फालोअप करना, उनके प्रसव से संबंधित पुराने रिकार्ड की समीक्षा करते हुए उनकी जांच पर विशेष ध्यान देने के लिये व प्रशासनिक रूप से सभी खंड चिकित्सा अधिकारी व चिकित्सा अधिकारी में होने तक मितानिन एएनएम, द्वारा गृह भेंट 1, 3, 7, 14, 28 ,42, 90 दिन तक घर में जाकर उनके स्वास्थ्य के बारें में विस्तृत जानकारी लेने हेतु निर्देश दिए गए।

भारत से निकल कर पूरी दुनिया में पहुंच रहा है आयुर्वेद : स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 28-30 जून 2024 को कृषि मंडपम, IGKV, रायपुर, छत्तीसगढ़ में 3 दिवसीय रायपुर आरोग्य मेले का आयोजन किया है। आज कार्यक्रम का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। उद्घाटन समारोह के अन्य गणमान्य व्यक्तियों में IGKV के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, आयुष निदेशालय, छत्तीसगढ़ के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील कुमार दास, IGKV के डीन डॉ. जी. के. दास, छत्तीसगढ़ चैप्टर PHDCCI के चेयरमैन श्री शंकर बजाज, निदेशक मिली दुबे शामिल थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य आयुष, आयुर्वेद, जैविक उत्पाद, यूनानी, सिद्ध, हर्बल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, कोल्ड चेन, उद्योग और कोल्ड सप्लाई चेन नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसका उद्देश्य निवेश और व्यापार के अवसरों को बढ़ाना है। यह विभिन्न हितधारकों, उद्योग, शैक्षणिक और नीति एजेंसियों को एक सामान्य मंच पर लाकर योजनाओं और प्रोत्साहनों, बाजार विकास प्रक्रियाओं, विकास और प्रबंधन प्रथाओं, बहु-मॉडल परिवहन सुविधाओं, और संबंधित वस्तुओं पर राज्य और केंद्रीय सरकारों के साथ संवाद स्थापित करने का एक मंच प्रदान करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आरोग्य मेले में आयुष पवेलियन का दौरा किया और कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों के लिए 3 दिनों के नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और नि:शुल्क औषधि वितरण का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और औषधीय पौधों के डॉक्टरों से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं । उन्होंने छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप्स के स्टॉल्स का भी दौरा किया, जो छत्तीसगढ़ में बने विभिन्न आयुष उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और PHDCCI को इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें नियमित अंतराल पर और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। मंत्री श्री जायसवाल ने चरक, सुश्रुत और पतंजलि जैसे महान ऐतिहासिक ऋषियों का उल्लेख किया, जिन्होंने आयुर्वेद और आयुष क्षेत्र में अत्यधिक योगदान दिया है। श्री जायसवाल ने दैनिक खाद्य पदार्थों जैसे हल्दी, गोल मिर्च, जायफल, बाजरा आदि में आयुर्वेदिक उत्पादों के उपयोग का उल्लेख किया और दैनिक जीवन में इन चीजों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए ऋषियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे आयुर्वेद भारत से पूरी दुनिया में पहुँच रहा है और दुनिया भर के लोग दोनों हाथों से आयुर्वेद को अपना रहे हैं। उन्होंने कह की हमें विभिन्न देशों में आयुष और आयुष उत्पादों को दृढ़ता से बढ़ावा देने और बड़े जैविक और पोषक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का लाभ उठाने की आवश्यकता है।

IGKV के माननीय कुलपति गिरीश चंदेल ने भी स्वच्छ भोजन खाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में उत्पन्न चावल में कई औषधीय गुण और विशेषताएं हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह राज्य में बाजरा और जैविक खेती को प्रोत्साहित करेंगे।

छत्तीसगढ़ चैप्टर PHDCCI के चेयरमैन शंकर बजाज ने मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का स्वागत किया और उन्हें 3 दिवसीय कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। PHDCCI की निदेशक मिली दुबे ने स्वागत और धन्यवाद नोट प्रस्तुत किया।

आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में शाला प्रवेशत्सव संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। ''शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और नवप्रवेशी बच्चे के हाथों भविष्य की बागडोर भी है अत: उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने का सतत प्रयास होने चाहिए। शालाएं ही बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयुक्त परिसर है। शिक्षा के द्वारा ही घर परिवार और समाज विकास की दिशा में अग्रसर होता है। अत: शिक्षा सुविधाओं की उपलब्धता हर शाला में होनी चाहिए। बच्चों के एक नई पीढ़ी को हमें इस उद्देश्य से सौंपा जा रहा है अत: इस दायित्व को निभाना हम सभी का कर्तव्य है''।

जिला मुख्यालय के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में जिला स्तरीय शाला प्रवेशत्सव (नवीन शैक्षणिक सत्र 2024) के अवसर पर मुख्य अतिथि के आसंदी से क्षेत्र के विधायक श्री चैतराम अटामी के द्वारा उक्त आशय के उदगार व्यक्त किया गया। उन्होंने आगे कहा कि देश के हर उत्सव के समान आज शाला प्रवेशत्सव मनाया जा रहा है और उन्हें तिलक रोली लगाकर सम्मान किया जा रहा है ताकि बच्चे मन लगाकर पढ़ाई कर सकें।

जिले को पहले शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा कहा जाता था लेकिन छूलो आसमान संस्था, नवोदय विद्यालय, जावंगा ऐजुकेशन हब, ने पूरे परिदृश्य को बदला है इन संस्थाओं के छात्रों ने डॉक्टर इंजिनियरिंग सहित कई प्रशासनिक सेवा मे आकर पूरे देश में जिले को गौरवान्वित किया है। अत: हर शिक्षक यह विशेष प्रयास होनी चाहिए कि उनके स्कूल के छात्र इन संस्थाओं में प्रवेश लेकर जिले का नाम रोशन करें। हर बच्चें को शिक्षा सुविधाओ जैसे नि:शुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तक, सहित माध्यान्ह भोजन को सुनिश्चित कर बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए शासन द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है। वही बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरस्वती सायकल योजना अन्तर्गत लक्षित वर्ग निर्धन परिवारों की बालिकाओं को निशुल्क साइकिल दी जा रही हैं। अत: बच्चों के माता पिता और अभिभावक नियमित रूप से बच्चों को शाला भेजें। जिला प्रशासन द्वारा भी इस क्षेत्र में हर संभव प्रयास किये जा रहे है। देश के प्रधानमंत्री द्वारा भी बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का भी संदेश दिया गया है। उन्होंने छात्रों को सलाह दिया कि वे पहले अपने लक्ष्य निर्धारण करें, कि हमें किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है, उसके बाद उसे पूरा करने में जुट जाएं।

उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार दिवाकर प्रसाद को सेवानिवृत्ति पर दी गई भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायधीश रमेश सिन्हा द्वारा उच्च न्यायालय के अधिकारी दिवाकर प्रसाद सिंह, रजिस्ट्रार की 30 जून को हो रही सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनकी कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण व उत्कृष्ट सेवा के लिए स्मृति चिन्ह, शॉल व श्रीफल प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया तथा उनके भावी स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गई। उल्लेखनीय है कि दिवाकर प्रसाद सिंह ने मार्च 1995 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय से अनुवादक के पद पर अपनी सेवा प्रारंभ की थी तथा राज्य विभाजन के पश्चात छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे थे। इस अवसर पर एम.वी.एल.एन. सुब्रहमन्यम संयुक्त रजिस्ट्रार कम पीपीएस उपस्थित थे।

कला केन्द्र से निखर रहा है हर आयु वर्ग के कलाकारों का कला

सवा तीन महीने में 18 सौ 90 कलाकारों ने लिया 23 अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षण, प्रतिविधा सिर्फपांच सौ रूपये का शुल्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कर कमलों से 10 मार्च 2024 को शुभारंभ हुए कलाकेन्द्र से अबतक कुल 18 सौ 90 कलाकारों ने लिया 23 अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

जहां वर्तमान में 9 सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों के साथ नियमित रूप से सुबह 06 से 10 बजे एवं शाम 04 बजे से रात्रि 08 बजे तक अलग अलग तीन पालियों में कला केन्द्र संचालित हो रहा है। इसमें हर एक विधा में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा संबंधित विधा को बारीकि से सिखाया जाता है और प्रैक्टिकल रूप से ट्रेनिंग दी जाती है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में नालंदा परिसर स्थित कला केंद्र का संचालन हो रहा हैं। इस केंद्र में बच्चे और युवाओं को कुल 23 विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कला केंद्र परिसर में गाने की रिकॉर्डिंग के लिए कक्ष का निर्माण भी किया गया है। परिसर में निर्मित ओपन मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समय-समय पर प्रस्तुतियां होती है। प्रत्येक कमरा वातानुकूलित है और परिसर में शुद्ध पेयजल-शौंचालय के साथ पार्किंग की व्यवस्था है। परिसर में सुरक्षा के लिए गार्ड भी रहते है।

कला केंद्र का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर किया जा रहा है। प्रशिक्षर्थियों के लिए सौ रूपये में पंजीयन एवं पांच सौ रूपये प्रतिमाह की दर से प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। केंद्र में न्यून्तम पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 60 वर्ष से अधिक वरिष्ठ व्यक्ति भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। परिसर में अलग-अलग प्रशिक्षण कक्ष तैयार किए गए है। जहां प्ले आर्ट मेहंदी, बासुरी, तबला, हारमोनियम, बैंजो वादन आदि कलाओं का प्रशिक्षण के साथ साथ लोक संगीत, पियानो और गिटार का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यहां डांस, जुंबा इत्यादि भी प्रशिक्षण मिल रहा है। कला केन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षकों को रोजगार के अवसर मिल रहे है और लोगों को विभिन्न विधिओं का किफायती दर पर प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।

देर शाम अचानक बलौदाबाजार पहुंचे मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक

अधिकारियों की बैठक लेकर बढ़ाया मनोबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन एवं पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा देर शाम अचानक जिला मुख्यालय बलौदाबाजार पहुंचे। उन्होंने आगजनी की घटना के बाद कलेक्ट्रेट बिल्डिंग के पूर्ण हो चुके रिस्टोरेशन कार्य का जायजा लिया तथा अधिकारियो की बैठक लेकर बेहतर दायित्व निर्वहन के लिए उनका मनोबल बढाया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमित गुप्ता, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश कुमार मिश्रा भी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यजनक है। इससे आम जनता को तथा कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को भौतिक नुकसान भी पहुंचा है और इस अप्रिय घटना के चलते सभी को भावनात्मक दु:ख भी पहुंचा है। जो आर्थिक नुकसान हुआ है वो जल्द ठीक हो जाता है। भावनात्मक मनोदशा को ठीक करने में समय लगता है। जिला प्रशासन ने भवन का रिस्टोरेशन बहुत कम समय में पूर्ण कर लिया है और सभी अधिकारी कर्मचारी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। घटना के बाद वे पुन: इससे उबरकर उत्साह से काम में जुटे हैं यह प्रशसनीय बात है। उन्होंने कहा कि जो भी क्षति हुई है उसकी पूर्ति के लिए शासन पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आम जनता से सीधा संवाद करने तथा उनकी समस्या का तत्काल निराकरण करने के लिए जनसमस्या निवारण शिविर शुरू किया जाएगा। सभी अधिकारी-कर्मचारी घटना से उबर कर खुश व प्रसन्न रहें तथा इस जिले को जन हितैषी जिला बनाने का संकल्प लें।

पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने कहा कि इस घटना की पुनरावृति न हो। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जो भी निर्देश दिए जा रहे हैं उसका पालन सुनिश्चित करें। इस घटना से अधिकारी कर्मचारी के मनोबल पर निश्चित ही असर हुआ है लेकिन आप सभी संकल्पित हैं और जल्द इससे उबर जाएंगे। उन्होने कहा कि लोक सेवक का कर्तव्य है कि उसका लोगों के साथ सम्पर्क व संवाद होता रहे। संवादहीनता बिलकुल न आने दें। अधिकारी अपने कक्ष में कम से कम 2-से 3 घंटे लोगों से मिलें। उन्होंने कहा कि घटना में जिनके विरुद्ध साक्ष्य मिल रहे हैं उन पर ही कानूनी कार्रवाई हो।

कलेक्टर दीपक सोनी ने पावर पॉइंट प्रेजेटेशन के माध्यम से अब किये गए कार्यवाहियों की सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होने बताया कि क्षति का आकलन कर लिया गया है जिसमें करीब 12 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त वहानो के बीमा दावा राशि का भुगतान शुरू हो गया है। 24 घण्टे सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की जा रही है। नकरात्मक पोस्ट वाले एकाउन्ट को बलॉक किया जा रहा है। उन्होने मुख्य सचिव को विश्वास दिलाया कि बैठक में जो भी निर्देश दिए गए है उसका पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा बेहतर कार्य करने सभी का प्रयास होगा। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि मुख्य आयोजक एवं उसके सहयोगियों सहित अब तक 153 आरोपियों की गिरफ़्तारी हो चुकी है। संदेहियों की लगातार जाँच की जा रही है। बैठक में डीएफओ मयंक अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर दीप्ति गौते सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्यपाल के विधिक सलाहकार को दी गई भावभीनी विदाई

रायपुर (ए.)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव अपनी अर्धवार्षिकी सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे है। इस अवसर पर उनको राजभवन में भावभीनी विदाई दी गई। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि श्रीवास्तव ने राजभवन में पदस्थापना के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता पूर्वक किया है। किसी भी फाइल के निराकरण में कानूनी पहलूओं की जानकारी महत्वपूर्ण होती है।

विधिक सलाहकार के पद पर रहते हुए श्रीवास्तव ने दक्षता पूर्वक अपना कार्य करते हुए फाइलों के सही तरीके से निराकरण में सहयोग किया। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना है कि उनका भावी जीवन सुखमय रहे। राज्यपाल ने श्रीवास्तव को शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राज्यपाल के सचिव यशंवत कुमार ने भी श्रीवास्तव के सुखद भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम सहित राजभवन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बीएएसएलपी प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन 10 जुलाई तक

रायपुर (ए.)। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाक, कान व गला रोग विभाग (ईएनटी) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम 2024-25 में प्रवेश लेने हेतु आवेदन फॉर्म 28 मई से ऑनलाइन प्रारंभ किया गया था। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा सामान्य डाक द्वारा 27 जून तक तथा विलंब शुल्क के साथ 29 जून तक जमा किये जा सकते थे। 27 जून को विभागीय बैठक के निर्णय अनुसार फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 जुलाई व विलंब शुल्क के साथ 12 जुलाई तक कर दी गयी है। आवेदन किये हुए अभ्यर्थियों की सूची 18 जुलाई को वेबसाईट raipurbaslp.org में जारी की जायेगी उपरोक्त जारी किए हुए मेरिट सूची में दावा आपत्ति हेतु अभ्यर्थी 25 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। उक्त दिनांक के पश्चात् दावा आपत्ति हेतु किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएँगे। आवेदन किए हुए अभ्यर्थियों की दावा-आपत्ति उपरांत अंतिम मेरिट सूची 29 जुलाई को वेबसाइट www.raipur-baslp.org में जारी की जाएगी। बीएएसएलपी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु काउंसलिंग 31 जुलाई को आयोजित की जाएगी। पाठ्यक्रम, प्रवेश संबंधी विवरणिका, आवेदन पत्र, प्रवेश संबंधी नियम, आवेदन प्रारूप एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाइट raipurbaslp.org का अवलोकन कर सकते हैं।

आरडीए के ऑन लाईन पेमेन्ट की शुरुआत

इन्द्रप्रस्थ रायपुरा फेस-2 के निवासी अब जलशुल्क का ऑनलाईन कर सकेंगे भुगतान

रायपुर (ए.)। रायपुर विकास प्राधिकरण के इन्द्रप्रस्थ रायपुरा फेस-2 के फ्लैट्स के निवासी अब जलशुल्क का भुगतान ऑनलाईन कर सकेगें। आवास एवं पर्यावरण की सचिव सुश्री आर. शंगीता की उपस्थिति में इसका प्राधिकरण कार्यालय में शुभारंभ किया गया। इससे अब इन्द्रप्रस्थ रायपुरा फेस-2 के फ्लैट्स के निवासियों को जलशुल्क जमा करने के लिए प्राधिकरण कार्यालय आने की जरुरत नहीं पड़ेगी। इसका भुगतान रायपुर विकास प्राधिकरण के रिकॉर्ड अनुसार दिए गए मोबाइल नंबर से ओटीपी प्राप्त कर लॉगिन करने के उपरांत किया जा सकेगा। राशि का भुगतान क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और यूपीआई से किया जा सकेगा।

रायपुर विकास प्राधिकरण में संचालक मंडल की बैठक हुई। इसमें देवेन्द्रनगर स्थित सिटी सेन्टर मॉल के पीछे एकता मॉल निर्माण के लिए निविदित दर स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि कौशल्या माता विहार (कमल विहार) योजना के सेक्टर 1, 2, 8ए, 8बी,10, 11बी,14ए एवं 14बी में 253 दो बीएचके ईडब्लूएस फ्लैट्स तथा रो हाऊस निर्माण कार्य पूरा नहीं करने वाले ठेकेदार का कार्य निरस्त कर उसे ब्लैक लिस्ट (डीबार) करने का निर्देश दिया गया। बैठक में ठेकेदार की रिस्क एंड कॉस्ट पर शेष निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम निविदा राशि 14.125 करोड़ रुपए की स्वीकृति देते हुए नई निर्माण एजेंसी को नियुक्त करने का अनुमोदन किया गया।

प्राधिकरण कार्यालय में हुई बैठक की अध्यक्षता रायपुर विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष व आवास एवं पर्यावरण विभाग की सचिव सुश्री आर. शंगीता ने की। बैठक में जिस पीएम एक्ता माल के निर्माण एजेंसी की नियुक्ति को स्वीकृति दी गई वह देवेन्द्रनगर के छत्तीसगढ़ हॉट के स्थान पर निर्मित होगा। पीएम एकता मॉल में सभी राज्यों के हस्तशिल्प उत्पादों की दुकानें होगीं तथा छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के हस्तशिल्प उत्पादों की दुकानें होगीं। पीएम एकता मॉल का सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल 4,73,392 वर्गफुट तथा निर्माण लागत रुपए 150.70 लाख रुपए होगी।

एक अन्य प्रस्ताव में संचालक मंडल को जानकारी दी गई कि राज्य आर्थिक अपराध ब्यूरो व्दारा पूर्व के एक प्रकरण क्रमांक 17/95 में वाद दायर करने के कारण शैलेंद्र नगर योजना के 178 भूखंडधारियों की नस्तियों जप्त की गई थी। ऐसे प्रभावित गत 25 वर्षों से अपनी आवंटित संपत्तियों को विक्रय, हस्तांतरित नही कर पा रहे थे। राज्य आर्थिक अपराध ब्यूरो के प्रकरण का न्यायालय में खात्मा होने के बाद अब प्रभावित भूखंडधारियों को फ्रीहोल्ड व विक्रय अनुमति को दी जा सकेगा। इससे प्रभावित लोगों का काफी राहत मिलेगी।

संचालक मंडल की बैठक में वित्त विभाग के संयुक्त सचिव सीताराम तिवारी, आवास एवं पर्यावरण विभाग के संयुक्त संचिव सी तिर्की, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के अपर संचालक संदीप बागड़े, कलेक्टोरेट के प्रतिनिधि अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, नगर पालिक निगम के प्रतिनिधि अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, क्षेत्रीय कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश से सहायक संचालक ऐश्वर्य जायसवाल, लोक निर्माण विभाग से कार्यपालन अभियंता यू.डी. मेश्राम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अधीक्षण अभियंता एस. के. गौड़, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी रायपुर से कार्यपालन अभियंता आशीष अग्निहोत्री, वन विभाग रायपुर से मुख्य वन संरक्षक राकेश चौबे तथा रायपुर विकास प्राधिकरण की अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित थी।

5 स्थानों में लगेंगे फास्ट चार्जिंग स्टेशन

रायपुर नगर निगम और आईओसीएल के बीच हुआ एमओयू

रायपुर (ए.)। वाहनों से बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें ग्रीन एनर्जी का उपयोग एक महत्वपूर्ण कदम है जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। रायपुर के नागरिक भी ई व्हीकल का उपयोग कर रहे हैं। इसी संदर्भ में जिला प्रशासन ने नागरिकों को फोर व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन के फास्ट चार्जिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर सभाकक्ष में नगर निगम रायपुर और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत राजधानी के पांच प्रमुख स्थानों पर आईओसएल द्वारा फास्ट चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे जिससे वाहनों का जल्द से जल्द रीचार्ज हो पाएगा।

नागरिकों को इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए फास्ट चार्जिंग की सुविधा देने के लिए जिले के सुभाष स्टेडियम परिसर, पुराना स्मार्ट सिटी ऑफिस परिसर, गांधी उद्यान, अनुपम गार्डन और जवाहर बाजार पार्किंग। इस एमओयू के अंतर्गत, आईओसएल द्वारा स्थापित किए जाने वाले चार्जिंग स्टेशनों से होने वाली आय का 10 प्रतिशत हिस्सा रायपुर नगर निगम के साथ साझा किया जाएगा।

इस समझौते के होने से रायपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को अधिक बढ़ावा मिलेगा और शहर की हरित पहल को मजबूत करने में मदद मिलेगी। फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना, नागरिकों को सुविधा प्रदान करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से रायपुर में पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी विकास का मेल होगा।

डिमांड बिल देकर छूट की जानकारी, निगम को किया भुगतान

रायपुर। राजस्व वसूली अभियान के दौरान नगर निगम जोन नम्बर 8 राजस्व विभाग द्वारा सनहाल डिमांड बिल देकर छूट के सम्बन्ध में जानकारी देने पर जोन के तहत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड नम्बर 2 के सोनडोंगरी में अरिहंत लॉजिस्टिक द्वारा स्थल पर ही तत्काल 286747 रुपये का पूर्ण भुगतान नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग की टीम को कर दिया गया। इसी प्रकार सनहाल डिमांड बिल देकर सम्पतिकर में छूट के सम्बन्ध में जानकारी देने पर माधव राव सप्रे वार्ड नम्बर 69 के रायपुरा में सत्येन्द्र बिसेन ने नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को 1 लाख 30 हजार रूपये के सम्पतिकर का सनहाल वर्ष का तत्काल भुगतान कर दिया।

निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग को लेकर निर्वाचन आयुक्त से मिले महापौर व पार्षद

रायपुर (ए.)। महापौर एजाज ढेबर आज पार्षदों के साथ दोपहर निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह से मिले। इस दौरान नगरीय निकाय चुनाव ईवीएम की जगह मत पत्र से कराने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। उनके साथ सभापति प्रमोद दुबे, एमआईसी मेंबर्स ज्ञानेश शर्मा व श्रीकुमार मेमन भी साथ थे।

श्री ढेबर ने कहा कि कई देशों में ईवीएम प्रणाली से चुनाव खारिज किए जा रहे हैं और बैलेट पेपर प्रक्रिया को अपनाया जा रहा है। हमारे यहां भी राजनीतिक दलों का और प्रत्याशियों का भरोसा ईवीएम प्रणाली से डगमगाया है क्योंकि इसके हैक होने की संभावना तकनीकी विशेषज्ञ जताते रहे हैं, इससे मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है। इसलिए हमारी मांग है कि छत्तीसगढ में होने वाले निकाय चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से ही कराया जाए।

अभ्यारण्य में घूम रहे बाघ के संरक्षण व संवर्धन कार्य पर की गई चर्चा

रायपुर (ए.)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) एवं वन्यप्राणी अभिरक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने बारनवापारा अभ्यारण्य एवं सीमावर्ती वनक्षेत्र में 7 मार्च से 27 जून तक विचरण कर रहे बाघ के संरक्षण तथा संवर्धन कार्यों के समीक्षा की। बाघ की सुरक्षा एवं मॉनिटरिंग के कार्यों का निरीक्षण किया गया एवं बाघ की सुरक्षा हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) एवं वन्यप्राणी अभिरक्षक के विशेष आग्रह पर बाघ के सुरक्षा हेतु आईएफएस (सेवा निवृत्त) आर श्रीनिवास मूर्ति को बारनवापारा अभ्यारण्य आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार करते हुए वनमण्डल बलौदाबाजार के अंतर्गत बारनवापारा अभ्यारण्य में 26 एवं 27 जून 2024 के दौरा प्रवास में बारनवापारा अभ्यारण्य एवं सीमावर्ती वन परिक्षेत्रों के अंतर्गत वर्तमान में विचरण कर रहे 1 बाघ की निगरानी तथा सुरक्षा हेतु अधिकारी कर्मचारियों की बैठक लेकर चर्चा किया गया तथा भविष्य हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

आर.श्रीनिवास मूर्ति द्वारा बाघ विचरण क्षेत्र का सूक्ष्म भ्रमण कर, उनके द्वारा आगामी कार्ययोजना हेतु बाघ में ''रेडियो कालर'' लगाये जाने हेतु सुझाव दिया गया। वर्तमान में बारनवापारा अभ्यारण्य एवं आस-पास के वनक्षेत्र बाघ के रहवास के लिए उपयुक्त है एवं क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में प्रे-बेस तथा वाटरबॉडी (पेय जल स्थान) एवं बाघ रहवास क्षेत्र है, जिसमें बाघ आसानी से रहवास/विचरण कर सकते है। बाघ की मॉनिटरिंग हेतु आर.श्रीनिवास मूर्ति के द्वारा बारनवापारा अभ्यारण्य, बलौदाबाजार, देवपुर एवं परिक्षेत्र बल्दाकछार के समस्त स्टाफ को बाघ संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया।

वर्तमान में वनमण्डल, बलौदाबाजार के अंतर्गत बाघ के संबंध में किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई, तथा जन मानस एवं बाघ के सुरक्षा हेतु 4 नग कुमकी हाथी को बारनवापारा अभ्यारण्य वनमण्डल बलौदाबाजार लाया जाना एवं निगरानी करने हेतु सुझाव दिया गया। आर श्रीनिवास मूर्ति प्रसिद्ध बाघ संरक्षण विशेषज्ञ एवं पन्ना टायगर रिजर्व में फील्ड डायरेक्टर रहे सेवानिवृत आईएफएस अधिकारी है। श्रीनिवास पन्ना टाइगर रिजर्व में लगातार 2009 से 2015 तक फील्ड डायरेक्टर रहकर बाघ की संख्या 0 से 32 किया गया। वर्तमान में पन्ना टाइगर रिजर्व में लगभग 90 टाइगर है। टाइगर की संरक्षण एवं संख्या बढ़ाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

वर्तमान में 4 बाईक एम्बुलेंस के जरिए जरूरतमंदों को अस्पतालों तक पहुंचाया जा रहा

दुर्गम क्षेत्र : जरूरतमंदों के लिए वरदान बनी बाईक एम्बुलेंस

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में बिलासपुर जिले के कोटा ब्लॉक के सुदूर पहुंचविहीन गांवों में जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई बाईक एम्बुलेंस ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है। कलेक्टर अवनीश शरण की विशेष पहल पर कोटा ब्लॉक के गांवों तक स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार लाने बाईक एम्बुलेंस संगवारी एक्सप्रेस की सुविधा शुरू की गई है। वर्तमान में 4 बाईक एम्बुलेंस के जरिए जरूरतमंदों को अस्पतालों तक पहुंचाया जा रहा है। यह सुविधा चौबीसों घंटे ग्रामीणों को मिल रही है।

कोटा ब्लॉक के एक बड़े हिस्से में विषम भौगोलिक परिस्थिति के चलते सड़क मार्ग से पहुंच पाना संभव नहीं होता है। ग्रामीणों को आपातकाल स्थिति में घर से अस्पताल आने-जाने के लिए बाईक एम्बुलेंस नि:शुल्क परिवहन का एक अच्छा माध्यम बन गया है। संगवारी एक्सप्रेस बाईक में बनाई गई एक मिनी एंबुलेंस की तरह है, जिसमें एक मरीज को बिना असुविधा के अस्पताल तक पहुंचाया जा सकता है। राज्य शासन द्वारा जन स्वास्थ्य के लिए चलाई जा रही अन्य एम्बुलेंस की तरह यह भी एक बिलकुल नि:शुल्क सुविधा है। कोटा ब्लॉक के सुदूर वनांचलों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं सहित अन्य लोगों के लिए बाईक एम्बुलेंस वरदान साबित हो रही है।

हजारों मरीजों को मिली मदद

विकासखण्ड कोटा में बाईक एम्बुलेंस की सेवाएं शुरू होने से अब तक 1 हजार 339 मरीजों को इसका सीधा लाभ मिला है। इनमें सभी वर्ग के मरीज शामिल है। शिवतराई पीएचसी में 385, बेलगहना पीएचसी में 322, केंदा पीएचसी में 366 और आमागांव में 266 मरीजों को बाईक एम्बुलेंस की सुविधा मिली। बाईक एम्बुलेंस के जरिए वनांचल क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए केन्द्र तक लाया जाता है और शिशुवती माताओं को प्रसव के बाद सुरक्षित घर भी पहुंचाया जाता है।

बच्चों के लिए भी मददगार

बाईक एम्बुलेंस गर्भवती माताओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, बच्चों के टीकाकरण एवं मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए भी उपयोग में लाया जाता है। ग्रामीण इस बाईक एम्बुलेंस की सुविधा के लिए शासन को धन्यवाद देते हैं। वे कहते है कि पहले यातायात सुविधा न होने के कारण हम लोगों का इलाज के लिए काफी दिककते होती थी लेकिन अब बाईक एम्बुलेंस शुरू होने से उन सभी परेशानियों से राहत मिली है। बगधरा गांव की श्रीमती रोशनी ने बताया कि उन्हें प्रसव के लिए बाइक एंबुलेंस से ही अस्पताल ले जाया गया। यह सुविधा वाकई ग्रामीणों के लिए काफी फायदेमंद है। मोहली गांव की श्रीमती ईश्वरी गोंड ने बाइक एंबुलेंस के लिए आभार जताते हुए बताया कि यह सुविधा लोगों के लिए जीवनदायनी साबित हो रही है।

रात में 11 बजे उन्हें प्रसव के लिए बाइक एंबुलेंस के जरिए आमागोहन सरकारी अस्पताल में लाया गया। वे कहती हैं कि इस सुविधा के चलते ही मैं और मेरा बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है। ग्राम पंचायत तुलूफ के 27 वर्षीय महेश धनवाड़ को सांप ने काट लिया था उन्हें तुरंत बाइक एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। तुरंत इलाज मिल पाने से वो आज स्वस्थ हैं।

युगल किशोर ने अपेक्स बैंक में महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

रायपुर (ए.)। सहकारिता विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में युगल किशोर ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) में महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा सहकारिता विभाग के उपायुक्त युगल किशोर को प्रतिनियुक्ति पर अपेक्स बैंक में महाप्रबंधक के पद पर पदस्थ किया गया है। इस आशय का आदेश 24 जून को मंत्रालय महानदी भवन स्थित सहकारिता विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया था।

जेंडर चेंज करवा कर खुश हैं ये स्टार्स

लिस्ट में गौरी अरोड़ा और 'बिग बॉस' फेम रानी कोहिनूर भी शामिल

आज वक्त बदल रहा है। हर इंसान को हक है कि वह अपनी मर्जी और आजादी से अपने लिए जीवन चुने। चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे सितारों के बारे में बताते हैं जो जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीने के लिए मशहूर हैं। ये वे सितारे हैं जिन्होंने अपना जेंडर चेंज करवाया है और आज अभिनेत्रियां बन कर बॉलीवुड से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक हर जगह अपना नाम कमाने की कोशिश कर रही हैं।

इस लिस्ट में पहला नाम बॉबी डार्लिंग का आता है। बॉबी डार्लिंग बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उनका नाम पहले पंकज शर्मा हुआ करता था। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वे अब लड़की बनकर काफी खुश हैं और वे हमेशा से एक लड़की की तरह ही खुद को महसूस करती थीं।

इस लिस्ट में रियलिटी शो में नाम कमा चुकी सायशा शिंदे का भी नाम शामिल हैं। सायशा शिंदे अपने बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे पहले एक लड़का थीं बाद में उन्होंने अपना जेंडर बदलवा लिया। वे कंगना रणौत के शो 'लॉकअप' में भी नजर आ चुकी हैं।

टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री रानी कोहिनूर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वे अभिनय के साथ गाना भी जाती हैं। रानी का नाम पहले सुशांत दिवगिकर था। उन्होंने मिस्टर गे वर्ल्ड 2014 में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया था। इतना ही नहीं वे बिग बॉस के घर में रह चुके हैं। इसके अलावा रानी सोशल एक्टिविस्ट हैं और समाज में समलैंगिकता के लिए वे जागरूकता भी फैलाती हैं।

इस लिस्ट में गौरी अरोड़ा का भी नाम शामिल यही। गौरी पहले गौरव अरोड़ा के नाम से जानी जाती थीं। वे 'स्प्लिट्सविला' जैसे रिएलिटी शो में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने भी अपना जेंडर चेंज करवा लिया है। अब वे अपनी जिंदगी को अपने शर्तों पर जी रही हैं और काफी खुश हैं।

सोनाक्षी की फिल्म ककुड़ा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर भी आया सामने

मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है, साथ ही रिलीजिंग डेट से भी पर्दा उठाया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम लीड रोल में हैं। सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक डरावना पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रितेश बीच में खड़े हैं और उनके हाथ में एक डिवाइस है। उनके बाएं हाथ पर टैटू है और आंखों में काजल लगा हुआ है। उनके बगल में सोनाक्षी हैं, जो डरी-सहमी नजर आ रही हैं। उन्होंने टॉर्च पकड़ी हुई है।

रितेश के दूसरी तरफ साकिब हैं, जो गुंडे की तरह दिख रहे हैं और टॉर्च पकड़े हुए हैं। तीनों के पीछे डरावनी परछाई है, जो उन्हें करीब से देख रही है। मेकर्स ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पुरुषों के हित में जारी। ककुड़ा आ रहा है। 12 जुलाई को घर पर रहें और ठीक 7.15 बजे दरवाजा खुला रखना ना भूलें। अब मर्द खतरे में है।

ककुड़ा की कहानी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के शापित रतौड़ी गांव के ईद-गिर्द घूमती है। यहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं, एक सामान्य आकार का और दूसरा उससे छोटा। फिल्म में अजीबोगरीब अनुष्ठान होते हैं, जिसके तहत हर मंगलवार को शाम 7.15 बजे हर किसी को अपने घर के छोटे दरवाजे को खुला रखना होता है, जो ऐसा नहीं करता, उस पर ककुड़ा अपना प्रकोप बरसाता है। वह घर के मुखिया को भयंकर सजा देता है।

ककुड़ा कौन है और वह गांव के पुरुषों को सजा क्यों देता है, गांव वालों को अभिशाप से कैसे मुक्ति मिलेगी?, यह सब फिल्म रिलीज होने पर पता चलेगा।

फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों के साथ-साथ हंसी-मजाक से भरपूर भी है। इसमें आसिफ खान भी हैं। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को जी-5 पर रिलीज होगी।

हिंदी सिनेमा में हॉरर कॉमेडी मूवीज को काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में रिलीज हुई मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से हर रोज धमाल मचा रही है। इस शैली में अब सुपरनैचुरल कॉमेडी ककुड़ा की चर्चाएं हो रही है।

खाते वक्त बंद कर दें अपना फोन

वरना शरीर में आ सकती हैं कई खतरनाक बीमारियां

हर पल साथ रहने वाला फोन ही हमें बीमार बना रहा है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। इतना ही नहीं पेट में भी एक खतरनाक बीमारी फैल रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आजकल हम अपने गैजेट्स हर जगह लेकर जाते हैं। यहां तक कि बाथरूम में भी इसे नहीं छोड़ते हैं। जिसकी वजह से गैजेट्स पर कई बैक्टीरिया पाए गए हैं, जिनसे बीमारियां फैल सकती हैं।

फोन से हमेशा हीट निकलती है, ऐसे में यह बैक्टीरिया के लिए सबसे सुरक्षित जगह होती है। स्क्रीन पर बैक्टीरिया के अलावा वायरस, फंगी और प्रोटोजोआ भी जम जाते हैं, जिनसे डायरिया, फूड पॉइजनिंग, सांस की बीमारी और स्किन इंफेक्शन का खतरा हो सकता है।

किन-किन लोगों को खतरा

फिटनेस ट्रैक करने के लिए स्मार्ट वॉच पहनने वालों को भी सावधान रहना चाहिए। इसके बैंड और स्क्रीन पर भी कई तरह के खतरनाक बैक्टीरिया पो जाते हैं, जो स्किन इंफेक्शन, टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम, ब्लड, लंग्स में निमोनिया या अन्य अंगों में इंफेक्शन और दस्त की वजह बन सकते हैं। ऐसे लोग जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। कई-कई घंटों तक ईयरफोन या ईयरपॉड पहने रहने से कान का तापमान और नमी बढ़ जाती है, जिससे संक्रमण का रिस्क रहता है।

फूड इंफेक्शन होने का डर

स्मार्टफोन की सतह पर स्टैफिलोकोकस ऑरियस नाम का जीवाणु मिलता है। इसे स्टैफ भी कहा जाता है, जो स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है। इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने से फूड पॉइजनिंग का खतरा भी रहता है, इसलिए खाने के समय गैजेट्स का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें, क्योंकि गैजेट्स के जरिए बैक्टीरिया हाथ, चेहरे और मुंह तक आसानी से पहुंच सकता है।

पेट और यूटीआई के लिए जोखिम भरा

फोन या गैजेट्स पर एस्चेरिचिया कोलाई या ई-कोलाई नाम के बैक्टीरिया भी पाए जाते हैं, जो गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं। इसकी वजह से गंभीर दस्त, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और किडनी की बीमारी हो सकती है। स्ट्रेप्टोकोकस पायोजेन्स बैक्टीरिया गले और स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है। ये फोन की सतहों पर लंबे समय तक जिंदा रहते हैं। इससे इनके फैलने का खतरा भी ज्यादा होता है। फोन पर स्यूडोमोनस ऐरुगिनोसा बैक्टीरिया भी पाया जाता है, जो सांस में इंफेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और ब्लड इंफेक्शन का कारण बन सकता है।

फोन को लेकर क्या सावधानी बरतें

एक रिसर्च के मुताबिक, 26 मोबाइल फोन पर 11,163 माइक्रो जीव पाए गए हैं, जो खतरनाक तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। गैजेट की स्क्रीन और बैक कवर को माइक्रोफाइबर कपड़े या अल्कोहल वाइप्स से रोजाना सही तरह से साफ करें। बाथरूम या गंदी जगहों पर फोन का इस्तेमाल न करें।शरीर की साफ-सफाई का ध्यान दें। मोबाइल इस्तेमाल करने के बाद फेस, नाक, आंख या मुंह छूने से बचें। अपना फोन किसी के साथ शेयर न करें। ईयरफोन का यूज 1 घंटे से ज्यादा समय तक लगातार न करें।

रोहित शेट्टी का सिंघम अगेन के खलनायक अर्जुन को तोहफा

खौफ पैदा कर रहा अभिनेता का नया पोस्टर

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी और अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन सिनेमा लवर्स के लिए एक बार फिर धमाकेदार एक्सपीरियंस लेकर आ रही है। इस सीक्वल का फैंस को बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि सिंघम और सिंघम रिटर्न्स की सफलता के बाद यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है। हाल ही में सिंघम अगने की रिलीज डेट का एलान किया गया था। वहीं, अब फिल्म से अर्जुन कपूर का नया पोस्टर रिलीज किया गया है।

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में अर्जुन कपूर की भी एंट्री हो गई है। सिंघम अगेन में वो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। 26 जून को एक्टर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में रोहित शेट्टी ने विश करते हुए फिल्म से एक्टर का नया पोस्टर जारी किया है।

सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और बेहतरीन अध्याय साबित होने सकती है। रोहित शेट्टी भी फिल्म को लेकर कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। रिलीज के पहले वो लगातार फिल्म से जुड़ी अपडेट फैंस को दे रहे हैं। अब अर्जुन कपूर के बर्थडे पर भी उन्होंने फिल्म से एक्टर का लुक शेयर किया है, जिसमें एक्टर के चेहरे और हाथ पर खून लगा हुआ, लेकिन उनके चेहरे पर डरा देने वाली हंसी है।

सिंघम अगेन की कहानी एक बार फिर से ईमानदार और निडर पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस बार सिंघम को और भी बड़े और खतरनाक दुश्मनों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म में अजय देवगन का दमदार एक्शन और उनका वही पुराना अंदाज दर्शकों को एक बार फिर से मंत्रमुग्ध करेगा। अब देखना यह है कि सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर क्या नया रिकॉर्ड बनाती है और कितनी सफलता प्राप्त करती है।

सिंघम अगेन में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के साथ- साथ करीना कपूर खान भी नजर आएंगी, जिन्होंने पहले भी सिंघम रिटर्न्स में अहम भूमिका निभाई थी। इनके अलावा फिल्म में रणवीर सिंह भी अपने सिंबा वाले किरदार में दिखेंगे। वहीं, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ फिल्म में सरप्राइज पैकेज होंगे। सिंघम अगेन में जबरदस्त एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा का तड़का होगा, जो दर्शकों को सीट से बांध कर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन का प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर किया गया है। फिल्म के पोस्टर्स ने पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दमदार एक्शन, रोमांचक कहानी और शानदार अभिनय के साथ ये फिल्म दर्शकों को एक बार फिर से सिनेमाघरों में लौटने पर मजबूर कर सकती है। सिंघम अगेन इस साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट अभी रिवील नहीं की गई है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की नई रिलीज डेट आई सामने

6 सितंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी फिल्म

एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद एक्ट्रेस कंगना रनौत अब अपने फिल्मी करियर पर भी फोकस कर रही हैं। उनकी अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। कई बार रिलीज डेट टलने के बाद अब यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

एक्ट्रेस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट की घोषणा की।

इस बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, मैं विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ से प्रेरित हूं। इमरजेंसी भारतीय लोकतंत्र का सबसे सनसनीखेज चैप्टर है, और मैं 6 सितंबर, 2024 को दुनिया भर में इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। पोस्टर शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, आजाद भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें साल की शुरुआत... इमरजेंसी 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे कंट्रोवर्शियल एपिसोड की विस्फोटक गाथा।

फिल्म में कंगना रनौत भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाती हुई दिखाई देंगी। बता दें कि देश में आंतरिक और बाहरी खतरों के चलते 25 जून 1975 को भारत में 21 महीने के लिए इमरजेंसी लागू की गई थी। कंगना के अलावा, फिल्म में अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे कलाकार नजर आएंगे।

जी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का म्यूजिक संचित बलहारा ने तैयार किया है, जबकि कहानी और डायलॉग रितेश शाह ने लिखे हैं।

गौरतलब है कि इमरजेंसी की रिलीज डेट दो बार टल चुकी है। पहले यह 24 नवंबर 2023 में रिलीज होनी थी, लेकिन किसी वजह से यह थिएटर में नहीं जा पाई। बाद में फिल्म की रिलीज डेट 7 महीने आगे बढ़ा दी गई और कहा गया कि इसे 14 जून 2024 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन कंगना रनौत ने लोकसभा चुनाव के चलते इसे भी पोस्टपोन कर दिया। ऐसे में फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब जब फिल्म की नई रिलीज डेट को ऐलान किया गया है, तो लोगों में खुशी है।

खास खबर

सीएमएचओ ने जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रायगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्रामीण स्तर पर प्रचार के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.के.चंद्रवंशी ने जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 24 जुलाई 2024 तक चलाया जायेगा। जिसमें प्रथम चरण मोबालाइजेशन फेस(दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा) 10 जुलाई तक तथा द्वितीय चरण जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 24 जुलाई तक चलेगा। इस अवसर पर जिला टीकाकरण नोडल अधिकारी डॉ.बी.पी.पटेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा, आरएमएनसीएच सलाहकार डॉ राजेश मिश्रा, प्रभारी मीडिया अधिकारी श्रीमती उमा महंत उपस्थित रही। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े में परिवार नियोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं लक्ष्य दंपत्तियों को आवश्यकता अनुरूप परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के उपयोग हेतु अपील की जाएगी। समस्त शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में परिवार नियोजन से संबंधित सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध है।

जल जीवन मिशन का कार्य महत्वपूर्ण, लाए प्रगति-कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के तहत जल जीवन मिशन के कार्यों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि जल जीवन मिशन का कार्य जनसामान्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें आवश्यक प्रगति लाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे। कलेक्टर गोयल ने जल जीवन मिशन अंतर्गत कुल 131 ग्रामों हेतु प्रस्तावित तीन समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा की। जिस पर ईई पीएचई ने बताया कि विकासखंड रायगढ़ अंतर्गत भेलवाटिकरा संबलपुरी समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत 29 ग्रामों को केलो डेम रायगढ़ से पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार विकासखंड पुसौर में कलमा-कोड़ातराई समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत 48 ग्रामों को कलमा बैराज महानदी तथा तमनार अंतर्गत तमनार समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत 54 ग्रामों को केलो डेम रायगढ़ से पेयजल प्रदाय की जाएगी। जिस पर कलेक्टर ने योजना के प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने क्रेडा के कार्यों की समीक्षा की। विभागीय अधिकारी ने बताया कि 385 स्वीकृत योजनाओं में स्वीकृत 616 सोलर पंप संख्या है। जिसमें 90 प्रगतिरत है। कलेक्टर गोयल ने प्रगतिरत 90 कार्यों विलंब की जानकारी लेते हुए कार्यों को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभागीय अधिकारी ने 74 सिंगल विलेज योजना एवं एक सोलर आधारित नल जल प्रदाय एवं 56 रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना कुल 131 प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में सोलर पंप की लागत में वृद्धि होने के कारण पुनरीक्षित योजना तैयार की गई है।

फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी लेने बलौदाबाजार कलेक्टर पहुंचे गांव

बिहान से जुड़कर कार्य करने वाले महिला स्व सहायता समूह के कामकाज की प्रशंसा, बताया जिले के लिए रोल मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार- भाटापारा जिले में फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी लेने कलेक्टर दीपक सोनी ने गांवों का दौरा किया है। इस दौरान उन्होनें सिमगा विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम पंचायत ढेकुना के आश्रित ग्राम विश्रामपुर तथा ग्राम अडबंधा,दामाखेड़ा एवं सिमगा नगर में संचालित सहकारी सोसायटी,राशन दुकान,स्कूल भवन,पंचायत भवन का निरीक्षण,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात, जल जीवन मिशन,स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

पंचायत ढेकुना अंतर्गत ग्राम विश्रामपुर स्थित सहकारी सोसायटी में उपस्थित किसानों और आम ग्रामीणों से मुलाकत कर खाद बीज की उपलब्धता,समय ऋण मिलने के बारे में जानकारी हासिल किए,जिस पर ग्रामीणों ने सरना बीज की कमी के बारे में शिकायत दर्ज कराया। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए श्री सोनी ने किसानों की समस्या का तत्काल निराकरण करते हुए कसडोल से बीज मंगाकर उपलब्ध कराने के निर्देश संबधित अधिकारियों को दिए है।

इसी तरह ग्राम पंचायत दामाखेड़ा में आजीविका मिशन के तहत बिहान समूह से जुड़ी महिला स्व सहायता समूह के द्वारा संचालित गतिविधियों का अवलोकन करते हुए स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों से जुड़कर जीवन मे आए सकारात्मक बदलाव के सम्बंध में जानकारी हासिल की। महिलाओं ने श्री सोनी को बताया कि बिहान से जुड़कर उनकी आर्थिक स्थित में काफी सुधार आया है।

दामाखेड़ा में अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह समिति द्वारा अगरबत्ती निर्माण,अन्य समूह द्वारा केक निर्माण एवं ग्राम अडबंधा में समूह द्वारा मछली पालन, बकरी पालन किया जा रहा है। श्री सोनी ने स्व सहायता समूह के कामकाज की प्रशंसा करते हुए पूरे जिले के लिए रोल मॉडल बताया। इस मौके पर अडबंधा में महिला स्व सहायता के समूह द्वारा बकरी शेड की मांग की गई। जिस पर कलेक्टर ने बकरी शेड स्वीकृत करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए है। साथ ही उन्होंने मनरेगा के तहत हुए कार्यो पर सतुष्टि जताते हुए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उक्त तालाब में बहुत अच्छे तरीके से मछली पालन सहित अन्य रोजगार मुलक कार्य भी किए जा सकतें है। श्री सोनी ने इसके लिए उपस्थित महिला स्व सहायता समूह के सदस्यो से चर्चा कर जायजा लिया।

कलेक्टर ने ग्राम अडबंधा के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से लाभान्वित हितग्राहियों के घर पहुंचकर निर्मित मकान का अवलोकन किया। इस दौरान मकान मालिक एवं उनके परिवार के सदस्यों ने पक्का मकान बनने से जीवन में हुए बदलाव के बारे में अपने विचार साझा किए। इसके साथ ही ग्राम में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी प्रकट किया। इसके साथ ही पाइप बिछाने के लिए सीसी रोड के बीचो-बीच गढ्ढा करने पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार के महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए है।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति पंजी एवं मध्याह्न भोजन सहित शिक्षा की गुणवत्ता को भी परखा। इस दौरान ग्रामीणों ने स्कूल के लिए अतिरिक्त भवन को मांग की जिस पर कलेक्टर ने शीघ्र ही कार्रवाई कर निराकरण का आश्वासन दिए है। पहली बार दामाखेड़ा पहुंचे नवपदस्थ कलेक्टर दीपक सोनी ने समाधि स्थल मंदिर पहुंचकर दर्शन लाभ लिए। इस दौरान श्री सदगुरु कबीर धर्मदास साहब वंशावली प्रतिनिधि सभा के सदस्यो ने सोनी को संत कबीर दास जी के गुरुवंश परंपरा, इतिहास एवं स्थान के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।जिस पर कलेक्टर सोनी ने पुरानी बाते साझा करते हुए बताया की मुझे यूपीएससी के इंटरव्यू में कबीर के बारे में पूछा गया था। उस समय ही मैं दामाखेड़ा के बारे में पढ़ा था आज मेरा सौभाग्य है।

नवप्रवेशी स्कूली बच्चों से की मुलाकात, पहाड़ा पूछकर बच्चों का किया उत्साहवर्धन

कलेक्टर दीपक सोनी ने ग्राम अडबंधा के ही प्राथमिक शाला में पहुंचकर पहली कक्षा के नवप्रवेशी स्कूली बच्चों से मुलाकात की। कक्षा 5 वी के बच्चों को श्री सोनी ने पहाड़ा, जोड़ घटाना पूछकर एवं सवाल जवाब कर उनका उत्साहवर्धन किया। पहाड़ा पूछने पर बच्चों ने कलेक्टर को पूरा पहाड़ा पढ़कर सुनाया जिस पर कलेक्टर ने बच्चों को टॉफी भी भेंट की। साथ ही कलेक्टर ने बड़े होकर क्या बनने का प्रश्न किया। जिस पर बच्चों ने डॉक्टर,इंजीनियर और पुलिस बनने की बात की।

रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से किया न्यायिक कर्मचारी आवासीय कालोनी का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर एवं न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा न्यायाधीश/पोर्टफोलियों जस्टिस जिला बेमेतरा द्वारा वर्चुअल माध्यम से जिला बेमेतरा में न्यायिक कर्मचारियों के आवासीय कालोनी सिंधौरी, तहसील साजा एवं बेमेतरा जिला न्यायालय परिसर में भारतीय उप डाकघर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, कलेक्टर रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री प्रणीश चौबे सहित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, अपर कलेक्टर विभागीय अधिकारी, एसडीएम, मुख्य कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, न्यायालय के कर्मचारीगण, नागरिकगण उपस्थित थे।

बेमेतरा के सिंघौरी में न्यायिक कर्मचारी कालोनी में चार ब्लॉक में 22 फैमिली के लिए क्वाटर्र बनवाया गया है। जिला न्यायालय परिसर में नवीन भारतीय उप डाकघर भी खोला गया है।

जंगल बचेगा तो आजीविका के साधन भी बढ़ेगाः रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि ईश्वर ने हमें प्रकृति के गोद में जन्म दिया है। राज्य के विशेषकर बस्तर और सरगुजा के बहुतायत आदिवासियों का जीवन वन संसाधन पर आश्रित हैं। यदि जंगल नहीं बचेगा तो हमारे आजीविका के साधन भी कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जंगल बचेगा तो आजीविका के साधन बढ़ेंगे। हमें कर्तव्यनिष्ठा के साथ जंगलों का संरक्षण करना चाहिए। वनों का सुरक्षा हमारा अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी है। मंत्री नेताम नवा रायपुर स्थित आदिवासी अनुसंधान संस्थान में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्राप्त ग्राम सभाओं के लिए आजीविका संवर्धन विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे।

मंत्री नेताम ने कहा कि व्यक्तिगत और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्राप्त ग्राम सभाओं को आगामी एक वर्ष के भीतर बेहतर तरीके से क्रियाशील किया जाए। वे वीडियोकान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी एफआरए प्रतिनिधियों से बात करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। हरसंभव उनकी समस्याओं का समाधन ढूंढा जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामवासी जंगल और जमीन को सुरक्षित रख सकेंगे। मंत्री नेताम ने कहा कि गांवों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, भले ही उनके पास डिग्री व डिप्लोमा न हो, किन्तु अंतर्रात्मा की आवाज और जीवन का अनुभव बहुत कुछ बता देता है। ऐसे लोगों को आदिम समाज के विकास के लिए आगे आने की जरूरत है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि कुछ लोग भोले-भाले आदिवासियों को गुमराह कर विकास की मुख्यधारा से अलग-थलग करने में लगे हुए हैं। इन क्षेत्रों में समाज विरोधी ताकतों को बढ़ने का अवसर मिल सकता है। दूरस्थ वनांचल के ग्रामीण, पीने के शुद्ध पानी, सड़क, बिजली, राशन आदि की समस्या से सुलझ रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन कमजोर वर्गो के विकास के लिए, उनके जल, जंगल, जमीन के अधिकार को पुनः लौटाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी योजना तैयार की है। हम सबकी सहभागिता से ग्रामसभाओं को सशक्त करने के साथ ही आजीविका के साधन को बढ़ाना होगा। इन वर्गों के विकास और सुरक्षा के लिए राज्य सरकार हरसंभव मदद के लिए तत्पर हैं। कार्यशाला को विभाग के संचालक पी.एस. एल्मा ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन पर अशासकीय संस्था के सदस्यों एवं सामुदायिक वन संसांधन प्रबंधन समितियों के सदस्यों को पीपीटी, चित्र, पोस्टर के माध्यम से इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में संस्था के माध्यम से वन संसाधन एवं लघु वनोपज आधारित प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन के तरीके, वृहद स्तर पर क्रियान्वयन की संभावनाएं, समुदाय पर इसका प्रभाव, चुनौतियां एवं सुझाव इत्यादि को बेहतर बताया गया।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्रतिदिन लग रहा कलेक्टर जनदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गली नंबर 7 तेलीबांधा निवासी प्रताप सिंह के चेहरे में बड़े दिनों बाद आज खुशी की झलक दिखी। वाकया ऐसा था वे कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक-04 के प्रतिदिन लगने वाले कलेक्टर जनदर्शन में आए थे। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह यहां नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुन रहे थे।

श्री प्रकाश अपने राशन कार्ड के केवाईसी करवाने आए थे। वे तीन माह पूर्व शुगर बीमारी के चलते अपना बांया पैर स्थाई रूप से गवाँ चुके हैं। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि दिव्यांग होने के कारण उन्हें जीवनयापन में समस्या आ रही है वे कुछ काम नही कर पा रहे हैं।

उन्होंने डॉ सिंह से मदद का निवेदन भी किया। कलेक्टर ने तत्काल खाद्य विभाग को राशन कार्ड की केवाईसी पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि राशन प्राप्त करने में दिक्कत न हो। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने कहा ताकि इन्हें अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ भी मिल सके।

कलेक्टर ने बातचीत के दौरान देखा कि प्रताप सिंह के पास व्हील चेयर भी नहीं है। समाज कल्याण से उनको व्हील चेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कुछ समय के भीतर ही श्री प्रताप को वहीं व्हील चेयर मिल गई और उसी व्हील चेयर के साथ घर वापस लौटे। श्री प्रताप और उनकी पत्नी बेहद भावुक और खुश हुए। व्हील चेयर पाकर उनके चेहरे पर मुस्कान आई। उन्होंने कलेक्टर डॉ सिंह का धन्यवाद दिया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह कलेक्टर परिसर में प्रतिदिन कार्यालयीन समय में जनदर्शन लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि आवेदक के कलेक्टर परिसर स्थित कमरा नंबर 4 के हाल में प्रतिदिन स्थायी जनदर्शन लगता है। इसकी एक प्रक्रिया तय की गई है। जिसमें प्रतिदिन अलग-अलग जिला स्तरीय अधिकारी को प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी दी जाती है। प्रवेश करते ही काउंटर से टोकन दिया जाता है उसके बाद उपस्थित नोडल अधिकारी को अपनी समस्या से संबंधित आवेदन देता है। समस्या के प्रकृति की अनुसार मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया जाता है यह ना होने के स्थिति में इसे संबंधित विभाग को अग्रेषित किया जाता है।

इसी कक्ष में नगर निगम, जिला प्रशासन सहित सभी विकासखंड से अधिकारी/कर्मचारी बैठे होते हैं। जहाँ एक तरफ आवेदन ऑनलाइन इंट्री की जाती है। वहीं एक प्रति संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन से सूचना दी जाती है और सॉफ्ट कॉपी दी जाती है। साथ ही हार्डकॉपी भी भिजवाई जाती है। इसका कॉल सेंटर में बैठे कर्मचारियों द्वारा फॉलोअप किया जाता है। वे आवेदक और विभागीय अधिकारी दोनों से बातचीत करते हैं। साथ ही समस्या के निराकरण होने की स्थिति की जानकारी संबंधित आवेदक से ली जाती है। कलेक्टर डॉ सिंह ने आवेदकों के आवेदन पर निश्चित समयावधि के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं।

मेडिकल परीक्षण की भी है सुविधा

04 नंबर कक्ष के बाहर मेडिकल परीक्षण की सुविधा है। जहां स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा बीपी और शुगर की नि:शुल्क जांच की जाती है। यहां आने वाले हर आवेदक अपना स्वास्थ्य जांच करा रहे हैं और इसके लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हैं ।

बस्तर अंचल को कुपोषण मुक्त बनाने मिशन मोड में कार्य करने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला बाल विकास विभाग की सचिव शम्मी आबिदी ने जगदलपुर कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में विभागीय गतिविधियों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन स्थिति की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर धरातल पर हो रही प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को मिशन मोड पर कार्य कर बस्तर अंचल को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए व्यापक सहभागिता निभाने पर जोर दिया।

साथ ही कहा कि माताओं-बहनों को शासन की सभी योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वित कर बस्तर ईलाके में विकास की बयार को सोशल सेक्टर में भी बेहतर प्रदर्शन करने कहा। सचिव आबिदी ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं को धरातल में कारगर ढ़ंग से सुलभ कराने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं से भी क्षेत्र के महिलाओं को योजनाबद्ध तरीके से लाभ पहुंचाया जाना है। इस दिशा में सेवाओं को परिणामदायी बनाने हेतु जनजागरूकता लाने सहित सेवाओं की गुणवत्ता एवं सेवाओं के विस्तार के लिए प्रभावी पहल किया जाए। सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, रेडी-टू-ईट, नोनी सुरक्षा योजना का लाभ सभी हितग्राहियों को मिले। उन्होंने गर्भवती, शिशुवती माताओं, बच्चों और किशोरी बालिकाओं का नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और वजन लेने कहा। वहीं स्कूल पूर्व प्रारंभिक शिक्षा, पूरक पोषण आहार तथा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा को परिणाममूलक बनाने के लिए संवेदनशीलता के साथ दायित्व निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। सचिव महिला एवं बाल विकास ने पोषण पुनर्वास केन्द्रों पर कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए नियमित रूप से शत-प्रतिशत बिस्तरों के अनुरूप भर्ती करने कहा। इस हेतु प्रत्येक 15 दिवस में भर्ती करने के लिए कुपोषित बच्चों का रोस्टर तैयार कर लाभान्वित किये जाने के निर्देश दिए।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

भिलाई तीन-चरोदा निगम के नेता प्रतिपक्ष की बेटी की सड़क हादसे में मौत, क्रास करते समय हादसा

भिलाई। भिलाई-3 में फोरलेन सड़क पर तेज रफ्तार मोटर साइकिल की ठोकर लगने से आटो से उतरकर पैदल सड़क पार कर रही युवती की मौत हो गई। यह घटना आज साढ़े 11 बजे के लगभग बिजली कॉलोनी के पहले गेट के पास हुई। गतवा तालाब पार निवासी मृतका मीनाक्षी वर्मा (20 वर्ष) भिलाई ङ्क चरोदा नगर निगम में भाजपा पार्षद व नेता प्रतिपक्ष राम खिलावन वर्मा की बेटी है। मामले में पुलिस ने आरोपी मोटर साइकिल चालक को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मीनाक्षी वर्मा कोचिंग क्लास से लौट रही थी। वह चरोदा की ओर से आटो में आकर भिलाई-3 में रेलवे कॉलोनी के पास उतरने के बाद फोरलेन सड़क को पार कर बिजली कॉलोनी के पहले गेट की ओर जा रही थी। डिवाइडर पर पैदल वालों के लिए छोड़ी गई जगह से वह सड़क पर उतरी ही थी कि दुर्ग से रायपुर की दिशा में तेज रफ्तार से जा रहे मोटर साइकिल चालक ने उसे जबरदस्त ठोकर मार दिया। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से सड़क पर खून बिखर गया और मौके पर ही मीनाक्षी वर्मा की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची भिलाई-3 पुलिस ने शव को शास्त्री हास्पिटल सुपेला मरच्यूरी भिजवा दिया। मृतका मीनाक्षी वर्मा के पिता राम खिलावन वर्मा भिलाई ङ्क चरोदा नगर निगम में भाजपा से दो बार के पार्षद हैं। इस कार्यकाल में उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। मीनाक्षी 4 बहनों में तिसरे नंबर की है। सड़क हादसे में मौत की खबर सुनकर महापौर निर्मल कोसरे सहित पक्ष व विपक्ष के अनेक पार्षद और संगठन के लोग पोस्टमार्टम के दौरान मर्च्यूरी में मौजूद रहे।

पति ने शराब पीने से मना किया तो महिला ने जहर खाकर दे दी जान

जगदलपुर। शहर के करपावंड थाना क्षेत्र के सोनपुर में एक महिला ने जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। बताया जा रहा है कि महिला को शराब पीने की आदत थी। पति द्वारा उसे बार-बार शराब पीने की बात को लेकर समझाया जाता था। इसी बात से नाराज होकर महिला ने जहर का खा लिया। जिसके बाद उसे इलाज के लिए मेकाज लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि सोनपुर निवासी महिला शराब पीने की आदि थी। पति खेती किसानी का काम करता था, उनके पांच बच्चे हैं। महिला शराब की लत को छोड़ नही पा रही थी, पति उसे लगातार शराब छोड़ने के लिए समझाता था। इस बार भी पति महिला को शराब छोड़ने के लिए कह रहा था। जिससे नाराज होकर पत्नी ने जहर खा लिया। महिला को उल्टी करता देख परिजन उसे बकावंड के स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जिसके बाद बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया, महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार में शोक की लहर छा गई, शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

जांच में गवाही देने पहुंचे एसडीओ पर बाबू ने किया हमला

कोरबा। जिले के कटघोरा वन मंडल के एसडीओ वन संजय त्रिपाठी पर शुक्रवार दोपहर गौरेला उप वन मंडल कार्यालय में विभाग के बाबू परमेश्वर गुर्जर ने हमला कर दिया। इससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। उन्हें गौरेला अस्पताल के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

एसडीओ त्रिपाठी गौरेला उपवन मंडल के एसडीओ रह चुके हैं। साथ ही मरवाही के प्रभारी डीएफओ भी थे। निर्माण कार्यों में गड़बड़ी की शिकायत पर गौरेला एसडीओ रामकुमार सिदार जांच कर रहे हैं। जांच में अपना बयान देने एसडीओ त्रिपाठी गौरेला गए थे। वे कुर्सी पर बैठे थे, इसी दौरान गुर्जर ने पीछे से हमला कर दिया।

गोलीकांड: अमित जोश के बहनोई के घर पुलिस को मिली लोडेड पिस्टल

बीएसपी ने सील किया मकान, चस्पा की नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ग्लोब चौक सेक्टर-6 के पास बीते दिनों हुए गोली कांड के बाद पुलिस एक्शन में है। इस गोलीकांड के सरगना अमित जोश पर कार्रवाई की दोहरी मार पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह से ही भिलाई नगर पुलिस के साथ दुर्ग पुलिस बल व बीएसपी इंफोर्समेंट विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। सुबह अमित जोश घर पर बेजा कब्जा हटाने के बाद शाम को बीएसपी व पुलिस की टीम उसके बहनोई के घर पहुंची। सेक्टर 5 सड़क 13 क्वार्टर नंबर 1 मकान में जांच के दौरान पुलिस ने एक पिस्टल व दो मैग्जीन जब्त किया है। वहीं बीएसपी की टीम ने बेजा कब्जा तोड़ते हुए मकान को सील कर दिया है।

बता दें 25 जून को विश्रामपुर जिला सुरजपुर निवासी रमनजीत सिंह (30), आदित्य सिंह (24) और सुनील यादव (30) रात करीब 1 बजे तीनों एक बाइक पर सवार होकर शहर में घूमने निकले। उस दौरान रात करीब 1.20 बजे ग्लोब चौक से आगे सेंट्रल एवेन्यू रोड पर सेक्टर 10 के पास पहुंचे ही थे। इस दौरान निगरानी बदमाश अमित जोश ने अपने पास रखी पिस्टल निकालकर उन पर तीन राउंड फायर कर दिया। इस घटना में शामिल दो आरोपियों में अंकुर शर्मा आर यशवंत नायडू को भिलाई नगर पुलिस गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं अमित जोश एवं सागर बाग अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस को अमित जोश व सागर बाग की तलाश है।

अवैध निर्माण ढहाया, आगे कार्रवाई की दी चेतावनी

कार्रवाई के दौरान बीएसपी इंफोर्समेंट विभाग द्वारा मकान के चारों ओर के अवैध निर्माण को ढहाया। मकान सील कर चेतावनी भी चस्पा किया है। भिलाई स्टील प्लांट के इंपोर्समेंट डिपार्टमेंट ने कहा है कि संपदा न्यायालय के आदेशानुसार सील किया गया है। आवास का ताला तोड़ने या अवैध कब्जा करने की कोशिश करने पर नामजद एफआईआर की चेतावनी भी दी गई है।

बीएसपी इंफोर्समेंट टीम के साथ पुलिस का एक्शन

इस बीच पुलिस ने बीएसपी के साथ मिलकर आज अमित जोश के घर पर बुलडोजर एक्शन चलाया। बीएसपी के इंफोर्समेंट डिपार्टमेंट ने शुक्रवार की सुबह सेक्टर -6 में अमित जोश के घर पर बुलडोजर चलाया और अवैध कब्जा तोड़ा। इसके बाद शाम को अमित जोश के बहनोई लक्की जॉर्ज और उसकी बहन प्रिया के सेक्टर 5 सड़क 13 क्वार्टर नंबर 1 मकान के अवैध कब्जों को तोड़ा गया। पुलिस ने जब मकान में जांच की तो यहां पर पिस्टल व दो लोडेड मैगजीन मिले। साथ ही पुलिस ने यहां से एक खंजर, एक बटन चाकू और दो बेसबॉल वाले बल्ले जब्त किया है।

बताया जा रहा है कि निगरानी बदमाश अमित जोश ने टाउनशिप में कई आवासों पर कब्जा कर रखा है। बीएसपी द्वारा आगे भी कब्जाधारियों पर कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

महिला सहित दो हार्डकोर इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

■ सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर था दो-दो लाख रुपए का इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में सुकमा में दो हार्डकोर नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्म समर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में एक महिला भी शामिल है। दोनों पर दो-दो लाख रुपए का इनाम भी घोषित है। सुकमा एसपी किरण चौहान ने मामले की पुष्टि की है।

छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति एवं नियत नेला नार योजना के तहत अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार सुरक्षा कैम्प स्थापना से मिलने वाली सुरक्षा, सुविधा व विकास से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। अमानवीय, आधारहीन, खोखली विचारधारा, नक्सलियों द्वारा किए जाने वाले शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों के द्वारा किए जाने वाले भेदभाव एवं स्थानीय आदिवासियों के साथ होने वाली निर्मम हिंसा से त्रस्त होकर प्रतिबंधित नक्सल संगठन में सक्रिय 01 महिला सहित 02 नक्सलियों आत्मसमर्पण किया है।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में महिला रोशनी उर्फ पोड़ियाम सुक्की पिता पोड़ियाम आयाता (पीएलजीए पार्टी सदस्या ईनामी 02 लाख छग शासन द्वारा) उम्र लगभग 19 वर्ष जाति मुरिया निवासी पदामपारा कोण्डरे थाना गादीरास जिला सुकमा तथा नंदू उर्फ नंदा पोड़ियाम पिता स्व. माड़ा (प्लाटून नंबर 30 पार्टी सदस्य ईनामी 02 लाख छग शासन द्वारा) उम्र लगभग 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी कोण्डरे पेरमापारा थाना गादीरास जिला सुकमा शामिल है। दोनों ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में परमेश्वर तिलकवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया। नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में डीआरजी सुकमा का विशेष प्रयास रहा है आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदान कराई जाएंगी।

शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर ओटीपी लेकर ठगे 28 लाख रुपये, शिकायत के बाद आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा (ए.)। जैजैपुर थाना पुलिस शेयर बाजार में ट्रेडिंग के नाम पर झांसा देकर ओटीपी के माध्यम से 28 लाख 11 हजार रुपये की ठगी के मामले में आरोपी चंदन कुमार श्रीवास्तव (40) को बाजार चौक तिफरा बिलासपुर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लैपटॉप, मोबाइल और अन्य सामान बरामद किया गया है।

जानकारी अनुसार, जैजैपुर थाने में 14 जून को उमेश चंद्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया था कि उसका परिचय का उत्तम टंडन ऑनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग करने वाले चंदन श्रीवास्तव से हुआ। जिसने बताया की सात वर्षों शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर रहे हैं और ट्रेडिंग कर भरपूर पैसा कमा रहे हैं। तब उमेश चंद्रा को चंदन श्रीवास्तव ने अपने झांसे में लेकर 15 मई को 28 लाख रुपये नकदी चंदन श्रीवास्तव को दी। चंदन श्रीवास्तव ने उमेश के मोबाइल पर ऐप डाउनलोड किया और रोज चेक करने को कहा था।

ऑनलाइन मार्केट ट्रेडिंग में अकाउंट बनाने के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से दस्तावेज भेजे और चंदन कुमार के बताए अनुसार अप्लीकेशन में अपने अकाउंट को चेक करता रहा। एक माह बाद छह जून को चंदन कुमार ने एसबीआई शाखा नेहरू नगर बिलासपुर का पांच लाख का चेक देकर एक माह की कमाई का पैसा आया है और हर माह तुम्हें चेक मिलता रहेगा बोला गया।

सात जून को उमेश अपने घर पर कार्य कर रहा था, तभी चंदन कुमार ने फोन के माध्यम से बोला की मार्केट अच्छा जा रहा है पैसा बहुत बढ़ गया है। कुछ पैसा को वॉलेट में विड्रॉल करने का प्रोसेस पूछा, तब चंदन कुमार श्रीवास ने विड्रॉल करने का प्रोसीजर लंबा है अपने मोबाइल से मैं कर रहा हूं ओटीपी जाएगा तो उसे बता देना। उमेश चंद्र ने मोबाइल पर आए ओटीपी को चंदन को बताया। इसके बाद से मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। जयपुर थाने में धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायत के बाद पुलिस आरोपी चंदन श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया।

युवती ने रची खुद के अपहरण की झूठी कहानी, परिजनों से मांगी 15 लाख की फिरौती, प्रेमी के साथ पकड़ी गई

■ सराईपाली में सीएचओ के पद पर कार्यरत है युवती, सक्ती थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ति। सराईपाली में सीएचओ के पद पर पदस्थ अनुपमा जलतारे (26) के अपहरण के मामले का पुलिस ने चार घंटों के भीतर खुलासा किया है। युवती को उसके प्रेमी के साथ बिलासपुर जिले से पुलिस ने बरामद किया है। वहीं, अपने अपहरण की झूठी कहानी रचकर परिजनों से 15 लाख रुपये की फिरौती की रकम मांगने के लिए फोन कराया था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जानकारी अनुसार, चिसदा निवासी रामनाथ जलतारे ने 28 जून को सक्ति थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी तहरीर में उन्होंने बताया था कि उसकी बेटी अनुपमा जलतारे सीएचओ के पद पर सराईपाली में पदस्थ हैं। वह अपने भाई के साथ सक्ति के चौपाटी से 27 जून की 7.30 बजे लापता हुई थी। वहीं, रात लगभग 9.38 बजे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अनुपमा के मोबाइल से उसके भाई को कॉल कर 15 लाख रुपये की फिरौती के रूप में पैसे की मांग की गई। वही पैसा नही देने पर जान से मारकर बोरी में भरकर फेंकने की धमकी दी थी।

जिस पर एसपी अंकिता शर्मा ने चार टीम बनकर अपहरण की गई युवती को सकुशन बरामद करने बिलासपुर, कोरबा और सक्ति भेजा था। साइबर सेल की मदद से लोकेशन ट्रैस की जा रही थी। इस दौरान बिलासपुर पुलिस और सक्ति पुलिस की टीम ने चार घंटे के अंदर युवती अनुपमा को उसके प्रेमी के साथ बरामद किया है। दोनों को सक्ति पुलिस लाया गया है और आगे की जांच पड़ताल की जा रही है।

बछड़े पर चढ़ाई कार, मौत के बाद मचा बवाल

■ आरोपी गिरफ्तार, जानबूझकर चढ़ाई थी कार

बिलासपुर (ए.)। बिलासपुर में बछड़े को कार से कुचलने वाले फरार आरोपी युवक को आखिरकार पुलिस ने तलाश कर गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय मे पेश किया गया है। दरअसल, मंगलवार की रात तकरीबन तीन बजे एक कार सवार युवक गाय के बछड़े को कार से कुचलने का मामला सामने आया था। जिसका सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था।

वहीं घटना को लेकर गौ सेवक और हिंदू संगठन के लोगों ने एसपी कार्यालय का घेराव कर और दोषी कार चालक को गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर पुलिस के द्वारा शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दरअसल, बुधवार की सुबह गौ सेवकों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। डिस्पाईल चर्च के पास पांच से छह मवेशी सड़क पर बैठे थे। साथ में छोटा सा बछड़ा भी था। इसी दौरान सफेद रंग के कार वहां धीरे-धीरे पहुंची और मवेशियों के पास पहुंचा और बछड़े के ऊपर चढ़ा दी। जिससे बड़े मवेशी उठकर भागने लगे। एक बार में बछड़े की मौत नहीं हुई तो कार चालक ने फिर रिवर्स कर दूसरी बार उसके ऊपर कार चढ़ा दी।

पूरी घटना सीसीटीवी वीडियो में कैद हो गई। जिससे घटना स्थल पर ही बछड़े की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सुबह लोगों की नजर पड़ी तो इसकी सूचना गौ सेवकों को दी गई। जिसके बाद पशु प्रेमी मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो वीडियो फुटेज में चालक अपनी कार को आगे पीछे कर बछड़े को रौदते दिखाई दे रहा है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्र./चार/तीन/सं.क.वि./2024/263/63 — भिलाई, दिनांक 27/06/2024

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्रीमती प्रमिला वैध, ध.प. श्री भजन दास वैध, निवासी – 10/11, राधिका नगर सुपेला भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती प्रज्ञानन प्रमिता, ध.प. श्री राजीव कुमार, निवासी– 157, संजीवनी भवन, इंद्रवती नगर दुर्गा मंदिर के पिछे कोहका सुपेला भिलाई, तह. व जिला– दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड न. 08, बजरंग पारा अदर भाग(बजरंग नगर) भिलाई, प्लाट नं. –33का भाग, खसरा नं.– 910/1, क्षेत्रफल–1200 वर्गफीट पर आवासीय भवन निर्मित।
2	श्री टी.सी.पापच्चन, आ. स्व. टी.जी.चेरियन, निवासी– प्लाट नं. 128, गांधी नगर जुनवानी, वार्ड नं. 01, भिलाई, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	सुखदेवराव बलीरामजी वाटाणे, आ. स्व. बलीरामजी महिमाजी वाटाणे, निवासी– मु. टाकरखेड़ा, पूर्णा, पोस्ट आसेगांव पूर्णा, ता. चांदुर बाजार, अमरावती महाराष्ट्र	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड न. 02, माडल टाउन अंदर भाग भिलाई, प्लाट न. 128 का भाग, खसरा नं.– 1222/159, क्षेत्रफल–1500 वर्गफीट पर आवासीय भवन निर्मित।
3	1. गौरव ढोड़ी आ.श्री राजेश ढोड़ी, 2. राजेश ढोड़ी आ.स्व.पी.आर. ढोड़ी, खुद व आ.मु. तरफ से– 3. श्रीमती सोनिया ढोड़ी ध.प.श्री राजेश ढोड़ी, 4. वैभव ढोड़ी आ.श्री राजेश ढोड़ी सभी निवासी–4 मालवीय नगर दुर्ग, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वैभव ढोड़ी आ.श्री राजेश ढोड़ी, निवासी– 4 मालवीय नगर दुर्ग, तह. व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	हकत्याग	जुनवानी, वार्ड न. 02, स्मृति नगर अंदर भाग भिलाई, प्लाट नं.– बी–09, खसरा– 434/7, क्षेत्रफल– 2400 वर्गफीट पर आवासीय भवन निर्मित।
4	श्रीमती पूनम तिवारी पति श्री पीयूस नाथ तिवारी, निवासी– प्लाट नं. 66ए सड़क 04, कुरूद रोड साकेत नगर कोहका भिलाई, तह. व जिला– दुर्ग (छ.ग.)	कृष्ण मुरारी साह पिता श्री राम बलि साह, निवासी–मकान नं. 224, सड़क नं. 09, पुरी आई.टी.आई. के पास, चन्द्र नगर कुरूद रोड कोहका भिलाई भिलाई तह. व जिला–दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं.–10 शातिनगर वार्ड के अंतर्गत चन्द्रनगर अंदर भाग भिलाई, खसरा नं.–5201/3, क्षेत्रफल–1190 वर्गफुट पर आवासीय रिक्त भूमि।
5	स्व. त्रिलोकी नाथ पिता– लाधा राम, से 1. श्री निचित क्षत्रिय, पिता–स्व. त्रिलोकीनाथ क्षत्रिय, निवासी– ए–19, हा.बोर्ड.कालोनी के पास, वी.आई.पी.सिटी, सड्डू रायपुर (छ.ग.), 2. श्री नमित क्षत्रिय, पिता– स्व. त्रिलाकीनाथ क्षत्रिय, निवासी– बी–512 सड़क 04 स्मृति नगर भिलाई, तह व जिला–दुर्ग(छ.ग.) 3. श्रीमती सुदेश क्षत्रिय ध.प. स्व. त्रिलोकी नाथ से 1. श्री निचित क्षत्रिय, पिता–स्व. त्रिलोकीनाथ क्षत्रिय, निवासी– ए–19, हा.बोर्ड.कालोनी के पास, वी.आई.पी.सिटी, सड्डू रायपुर (छ.ग.), 2. श्री नमित क्षत्रिय, पिता– स्व. त्रिलाकीनाथ क्षत्रिय, निवासी– बी–512 सड़क 04 स्मृति नगर भिलाई, तह व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	1. श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह, पति– श्री योगेन्द्र सिंह 2. श्री योगेन्द्र सिंह, पिता– श्री राघवेन्द्र सिंह, दोनो निवासी– प्लाट नं.–29, स्ट्रीट नं. –09, के.एच.नं.–06/11, गांधी नगर, मैत्रीकुंज रिसाली वेस्ट भिलाई तह व जिला दुर्ग (छ.ग.)	वारिसान/ बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड नं.–01, त्रिवेणी नगर अंदर भाग, भिलाई, प्लाट नं.–43,खसरा नं.–470, क्षेत्रफल– 2400 वर्गफीट पर आवासीय भवन निर्मित।
6	स्व. घनावती देवी, पति– स्व. लालसा प्रसाद प्रजापति, निवासी– रामनगर भिलाई, तह व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	सुरेश चंद प्रजापति पिता– स्व. लालसा प्रसाद प्रजापति, महेश चंद्र प्रजापति पिता– स्व. लालसा प्रसाद प्रजापति, उमेश चंद्र प्रजापति पिता– स्व. लालसा प्रसाद प्रजापति, निवासी– रामनगर भिलाई, तह व जिला–दुर्ग(छ.ग.)	वारिसान	वार्ड–19, रामनगर भिलाई, खसरा – 9177, रकबा– 0.020 हे., आवासीय भवन निर्मित।
7	मेसर्स श्री कृष्णा कालोनाईजर पार्टनर श्री सुनील कुमार खापडिया आ. श्री सुरेश चंद्र खापडिया, डायरेक्टर खापडिया रियलर्टस प्रा. लि., निवासी– स्टेशन रोड रायपुर(छ.ग.)	श्री संजय कुमार मिश्रा आ. स्व. श्री आर.बी. मिश्रा निवासी– मकान नं.– एंटेलिया 43, ब्लाक– बी, कृष्णा ग्रेड सिटी, कोहका भिलाई तह. व जिला– दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं.–07, पुरानी बस्ती कृष्णा ग्रेड सिटी कोहका, भिलाई, मकान नं.–43 टाईप–द एंटेलिया, ब्लाक–बी, क्षेत्रफल–1018 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक – 3083/NIT-2/ 2024–25/ व.ले.लि. — दिनांक 26.06.2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 05.07.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 11.07.2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :– 12.07.2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रू.में.)
1	2	3
2 T0005	साजा अनुविभाग के अंतर्गत लेजवारा से भटगांव मार्ग लं. 2.825 किमी में रोड मार्किंग का कार्य	4.99 3743.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-242500657/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग,
बेमेतरा

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 155339/निविदा सूचना क्र. 07/वलेलि/2024–25, दुर्ग दिनांक 28.06.2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 19.07.2024 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम – दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग की सिंचाई कॉलोनी सिविल लाईन कसारीडीह दुर्ग में आवासीय भवन एफ–टाइप 04 नग जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत – **रू. 288.52 लाख**

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **05.07.2024** समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-242500694/6

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग
कृते-मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स

विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers

Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध

Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357

Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

जिले में अब तक 93.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 28 जून तक 93.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 206.6 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 39.3 मिमी. दुर्ग तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 49.4 मिमी, तहसील धमधा में 56.3 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 65.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 146.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 28 जून को तहसील दुर्ग, तहसील धमधा, तहसील अहिवारा, तहसील बोरी, तहसील भिलाई 3 प्रत्येक में 0.0 मिमी एवं तहसील पाटन में 66.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने 10 विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार मिश्रा के द्वारा धमधा विकासखण्ड के सेजेस हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम धमधा, शा. हाई स्कूल पथरिया, पू.मा.शा. पथरिया, प्रा.शाला पथरिया, शा.उ.मा.वि मेड़ेसरा, पू.मा.शा. कोड़िया, प्रा.शा. कोड़िया एवं उ.मा.वि. कोड़िया) 10 विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शा.उ.मा. विद्यालयों को सत्र के प्रारंभ से ही सैद्धांतिक अध्यापन के साथ-साथ प्रायोगिक कक्षाएं प्रारंभ करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान शा.प्रा.शाला, पथरिया में विद्यार्थियों को मध्यान्ह भोजन में अनुपात से कम मात्रा में भोजन उपलब्ध कराया जाना पाया गया जिस पर उन्होने वंदना स्व सहायता समूह को भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति ना हो इसके निर्देश दिये। साथ ही प्रधान पाठक को नियमित निरीक्षण कर निर्धारित मात्रा में भोजन उपलब्ध कराकर देने को कहा। सभी शिक्षकों को समय पर विद्यालय में उपस्थित होने एवं अध्यापन में नवाचारी गतिविधियों को शामिल कर अध्ययन अध्यापन की प्रक्रिया को रोचक, सुगम व गुणवत्तायुक्त बनाने को कहा जिससे बच्चों में अध्यापन के प्रति रुचि जागृत हो और वह बेहतर प्रदर्शन कर सके। शिक्षकों को यह भी निर्देश दिया गया कि विद्यार्थियों को नियमित गृहकार्य, कक्षा कार्य दिया जाये एवं नियमित मूल्यांकन की प्रकिया को अपने अध्ययन में शामिल करें ताकि बच्चों की कमजोरी को चिन्हांकित कर अपने स्तर पर सुधार हेतु कार्य किया जा सके।

प्री-बी. एड तथा प्री-डीएलएड की परीक्षा कल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 30 जून 2024 को प्री-बी.एड तथा प्री-डीएलएड प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में उक्त परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रथम पाली में प्रातः 10 से 12.15 बजे तक आयोजित होने वाली प्री.बी.एड प्रवेश परीक्षा के 39 परीक्षा केन्द्रों तथा दोपहर पाली में 2 से 4.15 बजे तक आयोजित होने वाली 35 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक शामिल हुए। बैठक में अपर कलेक्टर बजरंग दुबे, समन्वयक केन्द्र से डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. ए.के. खान, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. एच.पी. सिंह सलूजा, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अजय सिंह, डॉ. आर.एस. सिंह भी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान सभी प्रतिभागियों को व्यापम द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने, समय का ध्यान रखने, दिव्यांग परीक्षार्थियों को दी जाने वाली सुविधा तथा व्यापम परीक्षाओं में केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक, सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं शिक्षकों के दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान केन्द्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों के शंकाओं का समाधान भी किया गया। सभी केन्द्राध्यक्षों को इस बात के लिए निर्देशित किया गया कि परीक्षा केन्द्रों में अनिवार्य रूप से पर्यवेक्षक उपस्थित रहें। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा कि परीक्षार्थी अपने ही रोल नम्बर व परीक्षा केन्द्र पर बैठे। परीक्षार्थी अपने आबंटित केन्द्र में ही प्रवेश करें किसी अन्य केन्द्र में प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। संबंधित जिला कोषालय से प्रश्न पत्र लाने समय-सीमा का ध्यान रखें।

ऑनलाइन सट्टा पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई तीन पैनल और 10 आरोपी गिरफ्तार

बिहार के आरा से चल रहा था खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑन लाईन सट्टा ऐप रेड्डी अन्ना-250, लेजर-21 और लोटस 33 के पैनल पकड़ने में दुर्ग पुलिस को सफलता मिली है। बिहार के आरा में किराये के मकान में ऑन लाईन गेमिंग ऐप के 3 पैनलों का संचालन हो रहा था। उतई में ओम सिंह नाम के व्यक्ति के माध्यम से नई आईडी और बैंक खाते लेने मास्टरमाइंड पहुंचा था। इस मामले में पुलिस ने बिहार के10 युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 7 लैपटाप, 23 एण्ड्रॉयड मोबाइल फोन सहित हिसाब-किताब के अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। आरोपियों द्वारा विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से सट्टे के पैसे का लेने-देन किया जा रहा था। बैंक खातों व मोबाइल नंबरों से कई बड़े खुलासे होने की संभावना है।

बता दें दुर्ग पुलिस द्वारा ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर सभी थानों की पुलिस द्वारा ऑन लाईन सट्टा का कारोबार करने वाले संदेहियों पर लगातार निगाह रखी जा रही थी। इस बीच पुलिस को विशेष सूत्रों से पता चला कि आरा बिहार निवासी अभिषेक कुमार ऑन लाइन गेमिंग सट्टा ऐप की नई आईडी व बैंकों के खाते लेने उतई बस स्टैण्ड के पास किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना के बाद पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर संदेही को पकड़ा और पूछताछ शुरू की।

उतई से लेने आया था नये खाते

पूछताछ करने पर संदिग्ध ने बताया कि वह उतई में ओम सिंह नाम के व्यक्ति के माध्यम से ऑन-लाईन गेमिंग सट्टा ऐप की नई आईडी और बैंकों के पासबुक, एटीएम कार्ड, चेक बुक लेने आया था। पहले भी वह ओमसिंह के माध्यम से खाते ले चुका है। वह वर्तमान में गोड़ान रोड आरा बिहार में एक किराये के मकान में रहकर रजनेश सिंह, रवि कुमार, शिशुपाल सिंह, शंकर यादव, अमित कुमार सिंह, अविनाश कुमार, ऋषभ कुमार सिंह, प्रिंस कुमार एवं रिशांत सिंह नाम के लड़कों को लैपटॉप, एण्ड्रायड मोबाइल फोन, वाईफाई तथा विभिन्न बैंकों के खाते उपलब्ध कराकर ऑन-लाईन गेमिंग ऐप रेड्डी अन्ना-250, लेजर-21 एवं लोटस 33 नंबर के पैनलों का संचालन करता है। इस पूरी कार्रवाई में थाना उतई से उप निरीक्षक कमल सिंह सेंगर, आरक्षक छगन साहू एवं एंटी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट से एएसआई चंद्रशेखर सोनी, शमित मिश्रा, प्रधान आरक्षक संतोष मिश्रा, विजय शुक्ला, आरक्षक रिंकू सोनी, पंकज चतुर्वेदी, जी रवि, शौकत हमात, सनत भारती, राकेश अन्ना, भावेश पटेल, गुनित निर्मलकर, किशान्त कुमार की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने जब्त किया तीन मोबाइल व तीन चेकबुक

आरोपी अभिषेक सिंह के पास से पुलिस ने 3 मोबाइल फोन, 3 चेक बुक, 2 पासबुक, 1 एटीएम कार्ड, 1 रजिस्टर व 2 नोटबुक जब्त किया। आरोपी के खिलाफघारा 07,08 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई। इसके बाद एक टीम को आरा बिहार रवाना किया गया जहां पर अरोपी अभिषेक सिंह की निशानदेही पर गोडान रोड आरा में किराये के मकान में दबिश देकर ऑन-लाईन गेमिंग सट्टा एप्प का संचालन करते रजनेश सिंह, रवि कुमार, शिशुपाल सिंह, शंकर यादव, अमित कुमार सिंह, अविनाश कुमार, ऋषभ कुमार सिंह, प्रिंस कुमार एवं रिशांत सिंह को पकड़ा गया। इनके कब्जे से 20 मोबाइल, 7 लैपटॉप, विभिन्न वैकों के पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड व रजिस्टर आदि जब्त किया है।

यह हैं गिरफ्तार आरोपी

- अभिषेक कुमार पिता तेज नारायण सिंह पता विंदगावा पोस्ट बंदु छपरा आरा, बड़हारा भोजपुर बिहार।
- रजनेश सिंह पिता नारायण सिंह पता बरहरा पोस्ट बंदु छपरा आरा, वड़हारा भोजपुर बिहार।
- रवि कुमार पिता कवीन्द्र राय पता ग्राम दुधवा पोस्ट दौलतपुर जरा मुफस्सिल भोजपुर बिहार।
- शिशुपाल सिंह पिता अशोक सिंह पता श्रीपालपुर, कोईलवर भोजपुर बिहार।
- शंकर यादव पिता विजय यादव पता वेलवानिया, आयर भोजपुर विहार।
- अमित कुमार सिंह पिता अर्जुन सिंह पता सरैया, बड़हारा भोजपुर बिहार।
- अविनाश कुमार पिता सुधीर कुमार पता माथीलिया, मुफस्सिल भोजपुर बिहार।
- ऋषभ कुमार सिंग पिता. दिलिप कुमार पता केशवपुर, बड़हारा भोजपुर बिहार।
- प्रिंस कुमार पिता शिवजीत सिंह पता सेमरिया, बड़हारा भोजपुर बिहार।
- रिशांत सिंग पिता सम्पत सिंग पता बखोरपुर, बड़हारा भोजपुर बिहार।

साक्षर करने मुहल्ले में लगेगी कक्षाएं

उल्लास से जुड़ेगा शहर, हर घर में होगी किताब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में ऐसे लोगों की तलाश की जा रही है जो अपना नाम तो लिख लेते है, किन्तु शब्दों को जोड़कर वाक्य नहीं बना पाते। ऐसे लोगों के लिए उल्लास कार्यक्रम चलाया जा रहा है। शासन की इस महत्वकांक्षी योजना से निगम क्षेत्र भी जुड़ चुका है। स्लम क्षेत्र से लेकर ग्रामीण परिवेश वाले क्षेत्र में कक्षाएं लगेगी।

इसी परिपेक्ष्य में निगम के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा विभाग की नोडल पुष्पा पुरूषोत्तम ने बताया कि यह अभियान पूरे देश में चल रहा है। अभियान से हर उस व्यक्ति को जोड़ना है जो पढ़ना नहीं जानता।

उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम में लोगों की सुविधा के हिसाब से कक्षाएं लगाई जाएगी। अभियान को सफल बनाने और लोगों को पूर्ण साक्षर करने आजीविका मिशन की सी.आर.पी. को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। कार्यशाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोविन्द साव, एबीओ जागेश्वरी चंद्राकर व जिला शिक्षा विभाग के श्री घोष उपस्थित थे।

अंक सूची मिलेगी

उल्लास कार्यक्रम में शिक्षा लेने वालों की विधिवत कक्षा लगेगी। साथ ही परीक्षा भी ली जाएगी। परीक्षाफल के हिसाब से अंकसूची प्रदान किया जाएगा। और उसके पास किसी भी कक्षा की अंक सूची नहीं है वह व्यक्ति भी इस कार्यक्रम से जुड़कर परीक्षा दे सकता है।

सफाई मित्र के लिए अलग से क्लास

निगम में सफाई कार्य करने वाले ठेका श्रमिकों की संख्या लगभग 200 से अधिक है। इनमें कई ऐसे है जो हस्ताक्षर तो कर लेते है, किन्तु पढ़ नहीं सकते। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने ऐसे कर्मचारियों की सूची शिक्षा विभाग को देने कहा है।

आयुष्मान कार्ड का वितरण एवं नवीन आयुष्मान कार्ड बनाने का अभियान शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओ में से एक आयुष्मान कार्ड प्रत्येक परिवार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण एवं जरूरी कार्ड है। सामान्य परिवार के लिए 50 हजार तक का ईलाज एवं बी.पी.एल. परिवार के लिए 5 लाख तक का ईलाज निःशुल्क करा सकते है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चैधरी के निर्देश पर नगर निगम भिलाई क्षेत्र के मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शहरी अजीविका मिशन की सी.आर.पी. एवं निगम के स्वास्थ्य कर्मियो द्वारा पूर्व में बने आयुष्मान कार्डो का वितरण किया जा रहा है। नवीन आयुष्मान कार्ड नगर निगम के मुख्य कार्यालय, सभी जोन कार्यालय, सभी च्वाईस सेंटर, आंगनबाड़ी केन्द्रो, शासकीय अस्पतालों आदि जगहो पर बनाया जा रहा है। हितग्राही अपने राशन कार्ड, आधार कार्ड के आधार पर नवीन आयुष्यमान कार्ड बनवा सकते है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के बताया कि भिलाई के 70 वार्डो में निवासरत नागरिको को जल्द ही आयुष्मान कार्ड का लाभ दिया जायेगा। इसके लिए मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं निगम के स्वास्थ्य सुपरवाईजरो को प्रशिक्षण भी दिया गया है। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सभी वार्डो में हितग्राहियों के घरों में जाकर पूर्व में बने आयुष्मान कार्ड का वितरण करेंगी।

मिलपारा में बनेगा सार्वजनिक सुलभ प्राथमिक स्कूल का भी होगा उन्नयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर विधायक के पहल से मिलपारा में एक बढ़िया सार्वजनिक सुलभ बनेगा जिससे नागरिकों और व्यापारियों की बहुप्रतिक्षित मांग पूरी होगी। यहां के जर्जर हो चुके प्राथमिक स्कूल का उन्नयन भी होगा। मिलपारा पहुँचे विधायक गजेंद्र यादव ने नागरिकों से मिलकर समस्याओं को जाने और निरकारण करने निर्देश दिए। उन्होंने कहा की नागरिक सुविधाओ का विस्तार किया जा रहा है। दुर्ग निगम क्षेत्र में सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था को और बेहतर बनाने प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

आज मिलपारा के नागरिक विधायक गजेंद्र यादव से मिलकर अपने वार्ड की समस्याओं की जानकारी दिए इस पर विधायक स्वंय उनके साथ आए हुए ई- रिक्शा पर बैठे और उनके क्षेत्र पहुंचे। बिल्कुल देशी अंदाज में जनता के बीच पहुँचे विधायक यादव ने रीमझिम बारिश के दौरान टिन शेड में खड़े रहकर उनसे बातचीत किये। बारिश थमने के बाद विधायक के साथ घूमते हुए नागरिकों ने बताया की यहां सार्वजानिक सुलभ का भवन जर्जर होने बाद धाराशाही हो गया।

सालों से सुलभ बनाने क्षेत्र के नागरिक मांग कर रहे है कई बार आवेदन दे चुके है लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। विधायक महोदय ने सुलभ की समस्या का निराकरण करने निगम इंजिनियर को मौके पर बुलाकर शीघ्र ही सुलभ बनाने प्रस्ताव तैयार करने निर्देश दिए ताकि यहां के नागरिकों को परेशानी न हो। यहां पर लगा हुआ मार्केट भी इसलिए लोगों का आना जाना लगा रहता है।

स्वास्थ्य विभाग ने परिवार नियोजन को बढ़ावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छोटा परिवार खुशहाल परिवार के संदेश को जिला दुर्ग के लोग साकार कर रहे है। एक निश्चित पैमाने पर जनसंख्या समाज की उपलब्धि है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में पुरूष/महिला नसबंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 27 जून 2024 से 24 जुलाई 2024 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा आयोजित होगी।

यह पखवाड़ा 02 चरणों में आयोजित किया जाएगा, पहला चरण मोबलाईजेशन एवं द्वितीय चरण सेवा वितरण चरण के रूप में मनाया जाएगा। गांव-गांव में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मोर मितान मोर संगवारी सम्मेलन के माध्यम से पुरूष नसबंदी पखवाड़ा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिससे पूरे परिवार को परिवार कल्याण के महत्व को समझाया जा सके, स्वास्थ्य केंद्रों पर कंडोम बॉक्स रखे गये हैं ताकि लोग खुद ही इस साधनों को बॉक्स से ले सके।

इस बार जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा 2024 को विकसित भारत की नयी पहचान, परिवार नियोजन हर दम्पत्ति की शान की थीम पर मनाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम के द्वारा जागरूकता हेतु सारथी रथ रवाना किया जायेगा। जिला परिवार कल्याण नोडल अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे ने बताया कि पुरूष नसबंदी में मात्र 10 मिनट का समय लगता है एवं नसबंदी के तुरंत बाद घर जा सकते है। पुरूष नसबंदी सरल, सुरक्षित और आसान विधि है, इसलिए योग्य और इच्छुक लाभार्थी आगे आकर इस विधि का चुनाव करें और लाभ उठायें। पुरूष नसबंदी के पश्चात् किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है एवं सामान्य कार्य प्रारंभ कर सकते है। जिला दुर्ग में पखवाड़े के दौरान जिला चिकित्सालय दुर्ग, एवं समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरूष/महिला नसबंदी ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जाएगी। पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक संख्या में हितग्राही को लेकर आने एवं जागरूकता के उद्देश्य से मोर मितान मोर संगवारी चौपाल एवं सास-बहू सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ द्वारा लक्ष्य दंपत्ति की ग्रामवार सूची तैयार कर आयोजन किया जा रहा है। जिला सलाहकार परिवार कल्याण शोभिका गजपाल के अनुसार पुरूष नसबंदी के पश्चात् हितग्राही के खाते में प्रोत्साहन राशि के रूप में 3000 रूपए एवं महिला नसबंदी में हितग्राही को 2000 रूपए प्रदाय किया जाता है। परिवार नियोजन बढ़ती जनसंख्या को रोकने के साथ-साथ माता एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।

इट इज वन अर्थ वन फैमली एंड देयर्स ओनली वन फ्यूचरः अमरेंदु प्रकाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश को स्वीडन में एंगेजिंग इंडिया एट अल्मेडालेन के 5वें संस्करण में विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। अमरेंदु प्रकाश ने 25 जून 2024 को उप्साला विश्वविद्यालय - कैंपस गोटलैंड, विस्बी, स्वीडन में आयोजित सेमिनार में भारत से उद्योग विशेषज्ञ के रूप में पैनल चर्चा में भाग लिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन सम्बंधित विभिन्न विषयों पर वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए विविध रणनीतियों पर अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

एंगेजिंग इंडिया एट अल्मेडालेन के 5वें संस्करण का विषय संबंध फॉर क्लाइमेट है, जिसमें संबंध के लिए हिंदी और स्वीडिश शब्दों को मिलाकर वैश्विक चुनौतियों, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

पैनल चर्चा के दौरान अपने संबोधन में सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने कहा, कि जलवायु परिवर्तन एक ऐसी चीज है जो आपके चेहरे के रंग को नहीं देखती, इसकी कोई सीमा नहीं है। यदि वैश्विक तापमान बढ़ रहा है तो इसका असर यूरोप, भारत, मध्य पूर्व और अफ्रीका पर भी पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन अप्रत्याशित है और यह सभी को प्रभावित करेगा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसके लिए हमने अतीत में क्या किया या हम भविष्य में क्या करने जा रहे हों। मानवता के लिए सामूहिक रूप से इस चुनौती से निपटने का यह सही समय है। डीकार्बोनाइजेशन कंपनी की प्राथमिकता सूची में नहीं है, बल्कि हमारी कंपनी सेल में डीकार्बोनाइजेशन को अस्तित्व का प्रश्न घोषित किया गया है।

अमरेंदु प्रकाश ने कहा, यह अस्तित्व का प्रश्न है, व्यवसाय की प्राथमिकता नहीं। यही कारण है कि हम एक-दूसरे के साथ सहयोग करने और चर्चा करने के लिए यहां आए हैं, क्योंकि यही आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका है। सबसे पहले, डीकार्बोनाइजेशन को परिभाषित करने की जरूरत है और विशेष रूप से इस्पात उद्योग के संबंध में, इसके लिए सबसे पहले हमें ऊर्जा की खपत को कम करने और नई तकनीकों का उपयोग करने के तरीकों की तलाश करने की जरूरत है, ताकि केवल व्यावसायीकरण न किया जाए बल्कि इसे सभी के साथ साझा भी किया जा सके। जिससे जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती से सामूहिक रूप से निपटा जा सके, क्योंकि यह एक पृथ्वी, एक परिवार है और इसका केवल एक ही भविष्य है।

इस कार्यक्रम में विचारोत्तेजक पैनल चर्चाएं, क्लाइमेट एक्शन इनोवेशन पर प्रस्तुतियां शामिल थीं। जिसमें दोनों देशों के थॉट लीडर्स, उद्योग विशेषज्ञ और शिक्षाविद शामिल थे। स्वीडन में 5वें एंगेजिंग इंडिया एट अल्मेडालेन सेमिनार में प्रतिष्ठित वक्ताओं में स्वीडन और लातविया में भारत के राजदूत तन्मय लाल, भारत में स्वीडन के राजदूत जान थेस्लेफ का संबोधन सेमिनार में सुनाया गया। मंत्री के राज्य सचिव डैनियल वेस्टलेन, अध्यक्ष मेहर पुदुमजी तथा अन्य सम्मानित व्यक्ति शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950